तापमान
अधिकतम 31.2°c
न्यूनतम 18.0°c

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 25 अक्टूबर 2026

12 कुष्ठ रोगियों को रोजाना स्वास्थ्य सुविधाएं...



12 पीडब्ल्यूडी ने 6 माह में अंडरपास बनाया...



HRERA-PKL-ROH-982-2026
Dated: 14.09.2026 Valid Upto: 31.03.2031

ROYAL GREEN
WORLD CITY
ROHTAK

Inspired by the World's best

Finally, an address worthy of Rohtak's finest.

Presenting Royal Green World City, a 39acre, world-inspired township.
Built to standards, the World took decades to achieve. It's the address Rohtak deserves!

- Designed by Hafeez Contractor
- 50,000 Sq. Ft. Grand Clubhouse
- Choice of Plots and Villas
- 5 mins from IIM Rohtak
- Right on the Delhi – Hisar Road
- Close proximity to Hospitals and Schools

Scan for location
Scan to know more

A DEVELOPMENT BY
ROYAL GREEN REALTY

IN PARTNERSHIP WITH
RIVERWOOD
INSPIRED BY PURPOSE

BOOK YOUR PLOT/VILLA NOW

8400 010 600
www.royalgreenrealty.com

Disclaimer: The information, visuals, plans, specifications, and other details presented in this print media advertisement/brochure are for general and representational purposes only. All images are artistic impressions and do not reflect actual site conditions. Features, layouts, finishes, amenities, and pricing are subject to change without prior notice, based on construction progress, regulatory approvals, and decisions of the developer. This material does not constitute a legal offer, commitment, or contract of any kind. Actual project deliverables may vary from those shown or described. All project approvals and developments are subject to applicable laws and permissions from relevant authorities. Buyers are strongly advised to independently verify all details, including project specifications, pricing, timelines, and RERA registration, before making any booking, investment, or purchase decision. No content in this brochure shall be binding unless incorporated in a duly executed agreement. © Royal Green Realty. All rights reserved.

खबर संक्षेप

गीता विद्या निकेतन स्कूल में करवाई प्रतियोगिताएं

महम। स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से गीता विद्या निकेतन हाई स्कूल, महम में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत पेंटिंग, स्लोगन राइटिंग व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं करवाई। विद्यालय के डायरेक्टर कृष्ण गोपाल रोहिला ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों में अच्छे संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी है।



पोलियो उन्मूलन को लेकर किया जागरूक

रोहतक। विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर शनिवार को रोटरी क्लब रोहतक समेत शहर के सभी रोटरी क्लबों के संयुक्त तत्वावधान में रोटरी चौक पर पोलियो उन्मूलन जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। मुख्यातिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एकेएस. रोटेरियन रवि गूगनानी ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए निरंतर जन-जागरूकता और सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। सुबह के व्यस्त समय में आयोजित इस अभियान से राहगीरों व वाहन चालकों तक पोलियो उन्मूलन का प्रभावी संदेश पहुँचा। सचिव सुरेंद्र सचदेवा सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन्स ने इसमें सक्रिय भूमिका निभाई।

पोस्टर मेकिंग में 60 विद्यार्थियों ने लिया भाग

रोहतक। वैश्य कॉलेज, रोहतक में एनएसएस, वाईआरसी सेल तथा आर्ट्स एसोसिएशन (अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास एवं राजनीति विज्ञान विभाग) के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन 'भारतीय अर्थव्यवस्था और सतत विकास' विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 60 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर शिक्षक मौजूद रहे।

कृषि मंत्री ने रोहतक, सांपला व महम अनाज मंडियों का किया निरीक्षण

किसानों को एमएसपी और भावांतर भरपाई योजना का मिल रहा लाभ

किसानों और आढ़तियों से बातचीत कर धान खरीद व्यवस्था का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को रोहतक, सांपला और महम की अनाज मंडियों का दौरा कर धान खरीद कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों और आढ़तियों से बातचीत कर खरीद प्रक्रिया से संबंधित समस्याओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार किसानों के कल्याण और उनकी फसलों की सुगम एवं पारदर्शी खरीद सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रदेशभर में मंत्री, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी अनाज मंडियों का निरंतर दौरा कर रहे हैं, ताकि किसानों, आढ़तियों और ट्रांसपोर्टरों को किसी भी स्तर पर परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मंडियों में बारदाने, फसल सत्यापन और गेट पास से संबंधित किसी भी तात्कालिक समस्या का प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। रोहतक और आसपास के क्षेत्रों में धान की खरीद एवं उठान को सुचारू बनाए रखने के लिए राइस मिलों और शैलरों की पर्याप्त व्यवस्था करने के भी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। राणा ने कहा कि सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भावांतर भरपाई की राशि जे-फॉर्म कटने के बाद सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद किसानों के हित में खरीद और भुगतान व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं।



रोहतक। मंडी में निरीक्षण करते हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा।

ये रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान पूर्व सांसद रामचंद्र जांगड़ा, जिप चेयरपर्सन मंजू हुड्डा, सांपला मंडी में एसडीएम अंकिता पुवार, महम के एसडीएम विपिन कुमार शर्मा, रोहतक मंडी के सचिव दीपक लोहचब, सांपला मंडी की सचिव सविता सैनी, महम मंडी के सचिव दीपक कुमार, भाजपा नेता महंत सतीश दास, अजीत अहलावत, मार्केट कमेटी महम के चेयरमैन कप्तान ईश्वर शर्मा, उप चेयरमैन लीलू खेडवा, सत्यप्रकाश बिसला, नपा के उप चेयरमैन बसंत लाल आदि मौजूद रहे।

फसल उठान के 48 घंटे के भीतर खरीद राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में भेजी जा रही : श्याम सिंह

अब फसल उठान के 48 घंटे के भीतर खरीद राशि सीधे किसान के बैंक खाते में हस्तांतरित की जा रही है। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त करने और किसानों को उनकी उपज का भुगतान पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने में मदद मिली है। मंत्री श्याम सिंह राणा ने मंडियों में फसलों पर अनावश्यक कटौती किए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार की ओर से निर्धारित नियमों के अनुसार ही खरीद की जा रही है। श्याम सिंह राणा ने रबी सीजन में गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों की बुआई को ध्यान में रखते हुए डीएपी और यूरिया खाद की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिला में उप-कृषि निदेशक के माध्यम से खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सुपवा के छात्रों ने जाना राखीगढ़ी का इतिहास

■ प्रतिनिधिमंडल में आर्किटेक्चर व विजुअल आर्ट्स फैकेल्टी के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के प्रतिनिधिमंडल ने राखीगढ़ी में चल रहे महोत्सव का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में आर्किटेक्चर व विजुअल आर्ट्स फैकेल्टी के छात्र शामिल रहे। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्रों ने इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया और राखीगढ़ी स्थित पुरातत्व स्थल को करीब से देखा।

डीन अकादमिक डॉ अजय कौशिक ने बताया कि छात्रों को ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व समझाने के उद्देश्य से राखीगढ़ी महोत्सव का भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्रों ने सिंधु घाटी सभ्यता की समृद्ध विरासत, प्राचीन नगर नियोजन, भवन निर्माण शैली व सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जानकारी हासिल की। महोत्सव में छात्रों ने ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन कर प्राचीन भारतीय वास्तुकला की विशेषताओं को करीब से समझा। भ्रमण के दौरान छात्रों ने जाना कि हजारों वर्ष पहले भी सिंधु घाटी सभ्यता के लोग व्यवस्थित आवास, जल निकासी प्रणाली, सड़कों व सार्वजनिक उपयोग की संरचनाओं के निर्माण में दक्ष थे।

इस दौरान छात्रों ने विभिन्न संरचनाओं की बनावट, निर्माण में प्रयुक्त सामग्री व पर्यावरण के अनुरूप विकसित वास्तुशिल्पीय विशेषताओं को समझने का प्रयास किया। शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक ऐतिहासिक स्थलों के माध्यम से वास्तुकला की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। छात्रों ने महसूस किया कि प्राचीन नगरों की योजना और निर्माण तकनीक आज के आर्किटेक्चर के छात्रों के लिए भी प्रेरणादायक हैं। इस प्रकार के भ्रमण से न केवल उनकी तकनीकी समझ विकसित होगी, बल्कि ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी उत्पन्न होगा।





पठानिया स्कूल में अध्यापकों और छात्रों को गतिविधि-आधारित शिक्षण का महत्व बताया

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल, सेक्टर-34 (सनसिटी) में 'एक्टिव लर्निंग' (सक्रिय अधिगम) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. संजय कुमार और अमित हुड्डा ने मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में शिरकत कर शिक्षकों व विद्यार्थियों को गतिविधि-आधारित शिक्षण के महत्त्व से अवगत कराया। वक्ताओं ने बताया कि इस शिक्षण पद्धति का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल श्रोता बनाने के बजाय सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना है। 'सीखें, जुड़ें, खोजें और आगे बढ़ें' के मूल मंत्र पर आधारित यह पहल विद्यार्थियों में रचनात्मक चिंतन, तार्किक क्षमता, जिज्ञासा, आत्मविश्वास और समस्या समाधान कौशल का विकास करती है। यह दृष्टिकोण रटने के स्थान पर व्यावहारिक अनुभव और समूह कार्य के माध्यम से बेहतर समझ विकसित करने पर बल देता है। इस अवसर पर स्कूल की को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रबंध निदेशक अंशुल पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया और उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।





जीडी गोयनका सनसिटी टोडलर हाउस में अभिभावकों ने ली बच्चों की प्रगति रिपोर्ट

रोहतक। जीडी गोयनका सनसिटी टोडलर हाउस, रोहतक में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) तथा रोबोटिक्स प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के समेटिव असेसमेंट–1 के रिपोर्ट कार्ड साझा किए गए, जिसमें बच्चों की शैक्षणिक प्रगति देख अभिभावकों ने प्रसन्नता व्यक्त की और विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने स्मार्ट डस्टबिन, मूवेबल रोबोट, विंड कूलर और रोबोटिक परिवहन जैसे नवाचारी प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत कर अपनी तकनीकी दक्षता का परिचय दिया। संस्था के डायरेक्टर बलराज सिंह ने बच्चों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता की जमकर तारीफ की। कार्यक्रम को और यादगार बनाने के लिए अभिभावकों के लिए सर्च योर स्टार पज़ल गतिविधि व गतिविधियों की फोटो प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। अंत में प्रधानाचार्या डॉ. मधु बाला ने अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल और अभिभावकों की मजबूत साझेदारी ही बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार है।

मार्केट न्यूज

पप्पू ज्वेलर्स में आधुनिक व फैशनेबल ज्वेलरी उपलब्ध

महाराजा अजमीढ़ द्वारा बताए गए मार्ग पर कार्य करते हुए पहचान बनाई



जगदीश वर्मा उर्फ पप्पू

रोहतक। रोहतक के गांव इस्माईला से शुरू किया ज्वेलरी का काम आज रोहतक में जाना पहचाना नाम बन चुका है। 100 सालों का अनुभव आज जगदीश वर्मा उर्फ पप्पू को सम्मान दिला रहा है क्योंकि पुश्तैनी कार्य करते हुए आज चौथी पीढ़ी भी शामिल हो गई है। यह बात जगदीश वर्मा ने बताई की दादा चंदगीराम, पिता हुकम चंद ने अपनी मेहनत और ईमानदारी से हाथ की बने ज्वेलरी से कारोबार शुरू किया था जो कि गांव इस्माईला के आसपास के क्षेत्र में मशहूर हुआ। जब भी किसी आस-पास के गांव में विवाह शादी की बात आती तो गांव इस्माईला में सुनार का काम करने वाले हुकम चंद को याद किया जाता। इसी बात को मद्दे नजर रखते हुए रोहतक सैयद वाली गली में जगदीश वर्मा ने मिसाल कायम रखी जो कि आज पप्पू ज्वेलर्स के नाम से रोहतक ही नहीं आसपास के जिलों में भी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब बेटा मणि भी इस कार्य में हाथ बढ़ा रहा है। विवाह शादी का जेवर या फिर धनतेरस व दीपावली पर सोने व चांदी की आइटम जिसमें गणेश लक्ष्मी जी की मूर्ति सिक्के या अन्य गिफ्ट आइटम लेने हों इसके साथ ही आधुनिक व फैशनेबल ज्वेलरी की जरूरत हो तो पप्पू ज्वेलर्स का विश्वास लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। वे बताते हैं कि महाराजा अजमीढ़ द्वारा बताए गए मार्ग पर चलते हुए अर्थात कार्य करते हुये ग्राहक के साथ पूरी ईमानदारी व परिवार की तरह हमारा रिश्ता रहता है। इसी रिश्ते की बदौलत आज एक ब्रांड के रूप में पप्पू ज्वेलर्स का नाम सामने आने लगा है, इसके साथ ही समाज के अन्य कार्यों में भी जगदीश वर्मा सहयोग करते रहते हैं। इसीलिए हरियाणा स्वर्णकार संघ ने भी इनकी ईमानदारी और सभी के साथ चलने के कार्य के प्रति समर्पित भावना को देखते हुए जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है, जिसकी जिम्मेवारी भी बखूबी से निभाते हैं।

श्री केवीएम अस्पताल में अत्याधुनिक नेफ्रोप्लस डायलिसिस सेंटर का शुभारंभ

रोहतक। रोहतक एवं आसपास के किडनी रोगियों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से श्री केवीएम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, रोहतक में नेफ्रोप्लस डायलिसिस सेंटर का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन अवसर पर नेफ्रोप्लस के नेशनल हेड एवं सीईओ, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विशाल वर्मा तथा यूनिट हेड डॉ. मनीषा मैना विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों एवं गणमान्य लोगों ने इस पहल को क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में एक बड़ा कदम बताया। डॉ. विशाल वर्मा और डॉ. मनीषा मैना ने कहा कि इस सेंटर के शुरू होने से रोहतक, झज्जर, भिवानी व नजदीकी क्षेत्रों के मरीजों को नियमित डायलिसिस, संक्रमण नियंत्रण और सुरक्षित उपचार के लिए बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। अस्पताल प्रबंधन ने किडनी रोगियों से समय पर उचित चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की।



अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए अनुसंधान का लाभ

रोहतक। चिकित्सा अनुसंधान की वास्तविक सफलता केवल शोध पत्र प्रकाशित करने या नए निष्कर्ष सामने लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना होना चाहिए। विशेष रूप से ग्रामीण भारत की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखकर शोध किए जाने की जरूरत है, ताकि वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। यह विचार पीजीआईएमएस के एमआरयू के नोडल अधिकारी डॉ. संजय ने व्यक्त किए।



युवाओं को नशे जैसी गंभीर बुराई से रहना चाहिए दूर : डॉ. नरेश

रोहतक। सत जीन्दा कल्याणा (पीजी.) कॉलेज, कलानौर में आज समाज में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता रैली निकाली गई। कॉलेज के ड्रग अवेयरनेस सेल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और एक स्वस्थ, नशामुक्त समाज की स्थापना करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ढुआ के संबोधन से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि युवाओं को नशे जैसी गंभीर बुराई से दूर रहना चाहिए और अपनी ऊर्जा का सही उपयोग शिक्षा, खेलकूद तथा समाज सेवा जैसे सकारात्मक कार्यों में करना चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्वयं नशा न करने के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। इसके पश्चात, प्राचार्य डॉ. ढुआ ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह पूरा आयोजन संयोजक डॉ. सतीश नरवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें डॉ. सुमन, डॉ. हरीश चन्द्र और डॉ. चेतना का विशेष सहयोग रहा।

इन्डस पब्लिक स्कूल में अंतर्सदनीय हिंदी अभिव्यक्ति प्रतियोगिता करवाई

झेलम सदन प्रथम और रावी सदन द्वितीय रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इन्डस पब्लिक स्कूल में अंतर्सदनीय हिंदी अभिव्यक्ति—कविता, भाषण, संवाद एवं पाठ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. अंजु शर्मा (एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग व उपप्राचार्या, गौड़ ब्राह्मण महाविद्यालय, रोहतक), सुषमा रानी (पीजीटी हिंदी, लिटिलश्री स्कूल, रोहतक) तथा कविता हुड्डा (पीजीटी हिंदी, झज्जर) द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ के साथ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से लेकर दसवीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी अद्भुत वाक-कला, अभिनय और काव्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में झेलम सदन प्रथम, रावी सदन द्वितीय, ब्यास सदन तृतीय तथा सतलुज सदन चतुर्थ स्थान पर रहा।

प्राथमिक वर्ग: नन्हे-मुन्नों ने 'पशु-पक्षियों की दुनिया', 'पारिवारिक बंधन' और 'सुखद प्रकृति' जैसे विषयों पर भावपूर्ण कविताएं पेश कीं।

मध्यम वर्ग: छठी कक्षा के छात्रों ने 'छंदों में मुस्कान भरें' विषय पर हास्य कविताएँ सुनाईं, जबकि सातवीं व आठवीं के विद्यार्थियों ने 'हास्य नाटिका' और सजीव संवाद अदायगी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उच्च वर्ग: नौवीं की अंतर-सदनीय भाषण प्रतियोगिता में 'मूल्यों की क्रियात्मक अभिव्यक्ति' विषय पर ओजस्वी विचार रखे गए, वहीं दसवीं के विद्यार्थियों ने 'ओज रस' की वीर रस से ओत-प्रोत कविताओं से राष्ट्रभक्ति का संचार किया। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने अपने संदेश में कहा कि शब्द और अभिव्यक्ति मनुष्य के व्यक्तित्व का दर्पण हैं।





न्यूज डायरी



एचडी स्कूल में करवाई प्रतियोगिताएं

महम। एचडी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल खेड़ी महम में कक्षा पहली व दूसरी के बच्चों के लिए कहानी सुनाना, चौथी व पांचवीं के विद्यार्थियों के लिए गूगल ऐप प्रेजेंट टेशन व छठी से आठवीं के लिए भूमिका अभिनय नौवीं व दसवीं के लिए आशु भाषण और ग्यारहवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों के बीच वाद विवाद प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रखा गया। इस मौके पर उपप्राचार्या इंदु नहरा, सचिव संजीव छिल्लर व समस्त स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे।



कबड्डी में जस्टिस हाउस बना विजेता

रोहतक। शीतल स्पोर्ट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल मेंअंतर-सदन कबड्डी प्रतियोगिता करवाई गई। कांटे की टक्कर के बीच जस्टिस हाउस ने अपने शानदार खेल कौशल के बल पर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि लिबर्टी हाउस उपविजेता (द्वितीय स्थान) पर रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल हुड्डा एवं निर्देशिका नेहा विशेष रूप से उपस्थित रहे।



148 श्रद्धालुओं ने उठाया शिविर का लाभ

रोहतक। दिल्ली रोड स्थित देव कॉलोनी के एडवांटा हॉस्पिटल द्वारा प्राचीन शीतला माता मंदिर प्रांगण में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 148 श्रद्धालुओं ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और लाभ उठाया। अस्पताल के निदेशक मोहित मलिक की ओर से सभी मरीजों व श्रद्धालुओं को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। यह जांच शिविर डॉ. मोहित डंडा, डॉ. अंकुर वर्मा, डॉ. एन.के. शर्मा, डॉ. सचिन, डॉ. बबीता बराक, डॉ. श्वेता यादव और डॉ. नम्रता की देखरेख में संपन्न हुआ।



विद्यार्थियों और स्टाफ को बांटे उपहार

रोहतक। डीएन सिटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में उल्लासपूर्ण दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जींद की डीईओ मुन्नी सहारण ने मुख्यातिथ के रूप में शिरकत की। विद्यालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार व समस्त स्टाफ मौजूद रहा। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर विचारपूर्ण भाषण दिए। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया मुख्य अतिथि मुन्नी सहारण ने समस्त स्टाफ सदस्यों को दीपावली उपहार भेंट कर शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों और छात्रों को उपहार भी भेंट किए गए।



महाराजा अजमीढ़ देव की जयंती मनाई

रोहतक। सुनारों वाली गली में महाराजा अजमीढ़ देव की जयंती धूमधाम व श्रद्धा के साथ मनाई गई। महाराजा अजमीढ़ स्वर्णकार संघ रोहतक द्वारा आयोजित इस वार्षिक कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जगदीश वर्मा उर्फ पप्पू ज्वेलर्स ने की। समारोह की शुरुआत विधि-विधान से पूजा-अर्चना व आरती के साथ हुई, जिसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। प्रधान जगदीश वर्मा ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ देव ने आभूषण कारोबार की नींव रखकर समाज को नई दिशा दी थी।



आईबी के छात्र स्कॉटलैंड व लंदन रवाना

रोहतक। आईबी विद्यालय, रोहतक के चार प्रतिभाशाली विद्यार्थी हर्षिता राणा, प्रगति कुमारी, गोरांगी और विराट नरवाल स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत स्कॉटलैंड और लंदन की शैक्षणिक यात्रा पर रवाना हुए हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, संस्कृति और वैश्विक शैक्षणिक माहौल से रूबरू कराना है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा। विद्यालय प्रबंधन ने ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसे अवसर विद्यार्थियों के लिए भविष्य की नई राहें खोलेंगे।



जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में करवाई प्रतियोगिता

रोहतक। जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल भवन में आयोजित जिला स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए। प्रतियोगिताओं में कायना (फैंसी ड्रेस), सान्वी (पोस्टर मेकिंग) तथा ध्रुव (क्ले मॉडलिंग) ने प्रथम स्थान हासिल किया। तन्मय (स्केचिंग) ने द्वितीय, जबकि ओमिशा (कार्ड मेकिंग), प्रणवी (सोलो डांस), सानिध्य (बेस्ट ड्रामेबाज़) और ग्रुप सॉन्ग टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा जनक, मयंक और पनिशु को सांत्वना पुरस्कार मिला। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक और निदेशक सुरेंद्र मलिक ने विजेताओं को बधाई दी। प्रधानाचार्या ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं का आत्मविश्वास बढ़ता है।

हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार 25 अक्टूबर 2026

सुविचार

"सपने केवल सोने से नहीं पूरे होते, उन्हें हासिल करने के लिए जागकर संघर्ष करना पड़ता है।"

....अज्ञात

शहर में आज

- वार्ड नंबर 10 में स्वच्छता अभियान की शुरुआत सुबह 8 बजे
- भिवानी रोड पर रेडियंट गार्डन में सालाना यज्ञ समागम सुबह 10 बजे
- एमडीयू में इंटर कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 8 बजे

अमेरिका में हिमांशु भाऊ की गिरफ्तारी से गांव में बढ़ी हलचल, सुरक्षा कड़ी, ग्रामीणों ने साधी चुप्पी

रिटौली में बंद दरवाजों के पीछे छिपे सुलगते सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव की गलियों में लोगों की आवाजाही जारी थी, कहीं रोजमर्रा के कामकाज चलते दिखाई दिए तो कहीं ग्रामीण आपस में बातचीत करते नजर आए। सब कुछ सामान्य दिख रहा था, लेकिन इसी माहौल के बीच एक ऐसा नाम था, जिसका जिक्र होते ही लोगों के शब्द मानो थम जाते थे। सवाल हरियाणा के चर्चित गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ को लेकर था, जिसकी अमेरिका में गिरफ्तारी की खबर के बाद रोहतक के रिटौली गांव पर लोगों की नजरें टिक गई हैं। गांव में उसके घर तक पहुंचने की कोशिश की गई तो सामने बंद दरवाजा, उस पर लटका ताला और दोनों ओर लगे सीसीटीवी कैमरे दिखाई दिए। घर के बाहर की यह तस्वीर और ग्रामीणों की खामोशी कई सवाल छोड़ गई।

हिमांशु का नाम प्रदेश में आपराधिक गतिविधियों के संदर्भ में चर्चा में रहा है। ऐसे में अमेरिका में उसकी गिरफ्तारी की खबर ने एक बार फिर उसे सुर्खियों में ला दिया। हालांकि, इस घटनाक्रम को लेकर उसके पैतृक गांव में किसी तरह की सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। न तो घर के आसपास कोई विशेष गतिविधि नजर आई और न ही ग्रामीणों में इस विषय पर खुलकर चर्चा होती दिखाई दी। गांव की सामान्य दिनचर्या और इस खास मामले को लेकर बनी चुप्पी के बीच का अंतर मौके पर साफ नजर आया।

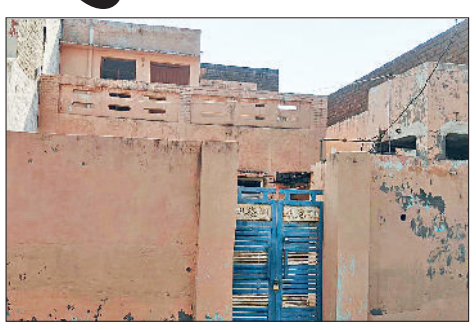

घर के बाहर सुरक्षा, अंदर कौन पता नहीं

रिटौली में हिमांशु के घर के मुख्य दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। दरवाजे के दोनों तरफ लगाए गए सीसीटीवी कैमरे वहां से गुजरने वालों का ध्यान खींच रहे थे। घर के आसपास कोई खास हलचल नहीं थी। गिरफ्तारी की खबर के बाद भी मौके पर ऐसा कोई दृश्य दिखाई नहीं दिया, जिससे घर में किसी तरह की गतिविधि का अंदाजा लगाया जा सके। हालांकि, घर बंद होने के कारण उसके भीतर किसी की मौजूदगी या परिवार के सदस्यों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। गांव में हिमांशु के घर तक पहुंचने और उसके बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुछ लोगों से घर का रास्ता पूछा गया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट जानकारी देने से परहेज किया। हिमांशु के बारे में बातचीत शुरू करने पर भी ग्रामीणों ने कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी। किसी ने विस्तार से कुछ बताने में रुचि नहीं दिखाई। ग्रामीणों की इस चुप्पी के पीछे क्या कारण रहे, यह स्पष्ट नहीं हो सका। ऐसे में गांव के लोगों की ओर से किसी तरह की आशंका या वजह बताना भी संभव नहीं था।

रोहतक-झज्जर के लिए सिरदर्द बना हुआ था भाऊ

हिमांशु उर्फ भाऊ रोहतक और झज्जर के लिए सिरदर्द बना हुआ था। पिछले चार पांच साल में भाऊ और दूसरे गैंग के बीच पांच से ज्यादा कत्ल हो चुके हैं जिससे गांव का माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। कई खाप पंचायतें गांव में शांति बनाने के लिए प्रयास कर चुकी हैं। तनाव को देखते हुए रोहतक पुलिस ने भी गांव में चौकी बनाई थी। इसके अलावा कई स्कूल, अस्पताल संचालकों से रंगदारी मांगने के आरोप हैं। बेरी, झज्जर के व्यापारी भी उससे खौफजदा थे। उसके खिलाफ 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज होने की बात सामने आई है। ऐसे में हिमांशु की गिरफ्तारी से काफी लोगों ने राहत की सांस ली है।

पहली एफआईआर 15 साल की उम्र में, अब 64 मुकदमों में नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिस उम्र में युवा अपने भविष्य के सपने संजोते हैं, उस उम्र में रोहतक के रिटौली गांव के हिमांशु उर्फ भाऊ का नाम पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज होने लगा था। कभी कबड्डी के मैदान में उतरने वाला यह किशोर कुछ ही वर्षों में हरियाणा के चर्चित गैंगस्टरों में गिना जाने लगा। गांव से शुरू हुआ विवाद, कम उम्र में दर्ज हुई पहली एफआईआर और हिसार के बाल सुधार गृह से फरार होने की घटना उसके जीवन के अहम मोड़ बने। आज उसके खिलाफ 64 आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। अमेरिका में हिरासत में लिए जाने की खबर के बाद अब उसके शुरुआती जीवन और अपराध की दुनिया तक पहुंचने के सफर पर फिर चर्चा हो रही है।

हिमांशु मूल रूप से रोहतक जिले के रिटौली गांव का रहने वाला है। किशोरावस्था में उसकी रुचि कबड्डी में थी। करीब 14 साल की उम्र में वह गांव और रोहतक क्षेत्र में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेता था। उसके शुरुआती जीवन के बारे में सामने आई जानकारी बताती है कि खेल के मैदान से अपराध जगत तक का उसका सफर अचानक नहीं, बल्कि कई विवादों और आपराधिक मामलों के बीच आगे बढ़ा। हालांकि, उसकी औपचारिक शिक्षा कितनी रही, इसकी स्पष्ट और पुष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है।



रिटौली के हिमांशु उर्फ भाऊ को बचपन से ही कबड्डी में रुचि थी वह करीब 14 साल की उम्र में वह गांव और रोहतक क्षेत्र में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेता था। 17 साल की उम्र में हिसार के बाल सुधार गृह से फरार होने के बाद वह पुलिस के लिए चुनौती बन गया था।

2018 में लगा था दंगा करने का आरोप

अप्रैल 2018 में, करीब 15 साल की उम्र में, हिमांशु के खिलाफ दंगा करने के आरोप में मामला दर्ज हुआ। विवाद गांव में शराब के कारोबार से जुड़े टकराव के कारण हुआ था। इस घटना के बाद उसका नाम पुलिस रिकॉर्ड में आने लगा। उसके परिवार के एक सदस्य के आपराधिक मामलों में पहले से शामिल होने का भी मीडिया रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है। हालांकि, किसी रिश्तेदार का आपराधिक इतिहास अपने आप में हिमांशु के अपराध की वजह साबित नहीं करता।

बाल सुधार गृह से फरारी के बाद गांव की रंजिश से संगठित अपराध तक पहुंचा भाऊ का नाम

वर्ष 2020 में जानलेवा हमले के एक मामले में हिमांशु को हिसार के बाल सुधार गृह में रखा गया था। उसी साल अक्टूबर में वह अन्य किशोरों के साथ वहां से फरार हो गया। फरार होने वालों में से अधिकांश को पकड़ लिया गया, लेकिन हिमांशु और उसका एक रिश्तेदार पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहे। इसके बाद उसके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या बढ़ती गई और पुलिस की तलाश तेज हो गई। रिटौली में स्थानीय विवादों और विरोधी पक्ष के साथ रंजिश ने घटनाक्रम को और गंभीर बनाया। बाद के वर्षों में उसका नाम हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में सामने आया। दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय गैंगस्टरों से संपर्क के बाद उस पर अपना नेटवर्क खड़ा करने के आरोप लगे। वर्ष 2022 में वह कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट बनवाकर विदेश चला गया। अगस्त 2023 में इंटरपोल ने उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी किया। विदेश में रहते हुए भी भारत में हुई कई वारदातों और रंगदारी के मामलों में उसके गिरोह का नाम सामने आता रहा।

खबर संक्षेप

चोरी के दो आरोपी पकड़े बाइक व जेवर बरामद

रोहतक। पुलिस ने चोरी की दो वारदातों में शामिल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरीशुदा बाइक और आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि 23 अक्टूबर को पुरानी सब्जी मंडी थाना पुलिस ने गश्त के दौरान फतेहपुरी कॉलोनी के हिमांशु को शक के आधार पर काबू किया। पूछताछ में उस पर एक मकान से आभूषण चोरी का मामला सामने आया। इस मामले में केस दर्ज है। वहीं, जींद बाइपास के पास से रचित निवासी भगत सिंह कॉलोनी को गिरफ्तार किया गया। उस पर पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र से बाइक चोरी करने का आरोप है।

मोटरसाइकिल चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने मानसरोवर पार्क के बाहर से बाइक चुराने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान मोखरा निवासी महेश और देवेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने चोरीशुदा बाइक बरामद कर ली है। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि जवाहर नगर निवासी अंकुश ने 16 अक्टूबर को मानसरोवर पार्क के बाहर बाइक खड़ी की थी, जो वापस लौटने पर गायब मिली। जांच के दौरान 24 अक्टूबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आर्य नगर और सिविल लाइन थाना क्षेत्र से बाइक चोरी की दो अन्य वारदातों का भी खुलासा हुआ। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया।

भाजपा और कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

बतरा के घर के बाहर मनीष ग्रोवर के नेतृत्व में हिसाब मांगने पहुंचे भाजपा नेता और पार्षद

काले झंडे लेकर विधायक समर्थकों ने खोला मोर्चा; बतरा बोले- पहले भाजपा दे अपना हिसाब





हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर की राजनीति में शनिवार को एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस के बीच टकराव देखने को मिला। इस बार सियासी संघर्ष का केंद्र कांग्रेस विधायक भारत भूषण बतरा का आवास बना, जहां पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के नेतृत्व में भाजपा नेताओं और पार्षदों ने पहुंचकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की ओर से विधायक से हिसाब मांगने की बात कही गई तो दूसरी तरफ बतरा और उनके समर्थक काले झंडे लेकर विरोध में खड़े हो गए। देखते ही देखते दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया और इलाके में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका गया।

खास बात यह रही कि प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विपक्षी विधायक के आवास पर प्रदर्शन किया। इससे पहले भी इस तरह का प्रदर्शन देखने को मिल चुका है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात रखने और दूसरे पक्ष की आवाज दबाने की कोशिश करते नजर आए। मौके पर तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर भी दोनों ओर से प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

चर्चा में रहे एसआईआर जैसे मुद्दे

प्रदर्शन के दौरान शहर के विकास, विधायक की भूमिका और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर जैसे मुद्दे चर्चा के केंद्र में रहे। इस दौरान बीजेपी की तरफ से पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, प्रतिभा सुमन, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल, जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका, बीएल-वन पवन भाटिया, मंडल अध्यक्ष अमित मग्गू, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, मंडल अध्यक्ष रॉकी सहगल, चैयरमेन अशोक चौधरी, चैयरमेन खुशीराम हुड्डा। वहीं कांग्रेस से ग्रामीण प्रधान बलवान रंगा, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल कुमार, पार्षद विजय गोयल, मोनू शर्मा, कदम सिंह अहलावत, शमशेर पंचाल, चंचल नांदल, वेद इश्पुनियानी, संजय दलाल, संजय सैनी, सुरेन्द्र बत्रा, बिट्टू सचदेवा, व्यापारी नेता, गुलशन डंगा, चरनजीत शर्मा मौजूद रहे।

कचरा प्रबंधन पर साधा निशाना

बतरा बोले, भाजपा पहले अपने काम का हिसाब दे कांग्रेस विधायक भारत भूषण बतरा ने भाजपा नेताओं के प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा के लोग कभी सदन की बैठकों में विधायकों की गैरमौजूदगी को लेकर नोटिस देने की बात करते हैं तो कभी ग्रांट के संबंध में सवाल उठाते हैं। पार्षदों के पास ऐसा कौन-सा अधिकार है कि वे विधायक से ग्रांट को लेकर हिसाब मांगने पहुंच रहे हैं। बतरा ने भाजपा के मेयर रामअवतार वाल्मीकि से भी शहर में हुए विकास कार्यों का ब्योरा देने की मांग की। विधायक ने शहर में जगह-जगह बने डंपिंग प्वाइंट को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका आरोप था कि शहर में कचरे की समस्या बढ़ रही है और सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया जाएगा। जरूरत पड़ी तो न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

कई राज्यों में कांग्रेस पार्टी लंबे समय से सत्ता से बाहर

पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर नजर डालें तो कई राज्यों में पार्टी लंबे समय से सत्ता से बाहर है। तमिलनाडु में 59 वर्ष, पश्चिम बंगाल में 49 वर्ष, उत्तर प्रदेश में 37 वर्ष, बिहार में 36 वर्ष, त्रिपुरा में 33 वर्ष, गुजरात में 30 वर्ष, ओडिशा में लगभग 26 वर्ष, नागालैंड में लगभग 23 वर्ष, महाराष्ट्र में लगभग 12 वर्ष, असम, हरियाणा, उत्तराखंड में 10 साल से सत्ता से बाहर है। कांग्रेस को इन राज्यों में अपनी लगातार चुनावी विफलताओं के कारणों पर जवाब देना चाहिए। क्या इन सभी राज्यों में कांग्रेस की हार के लिए भी वोट चोरी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। दूसरी ओर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने कांग्रेस पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया।

एमडीयू में नेट/जेआरएफ परीक्षा की कोचिंग शुरू

रोहतक। एमडीयू के यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन में शनिवार को यूजीसी नेट/जेआरएफ दिसंबर-2026 परीक्षा के प्रथम प्रश्नपत्र की कोचिंग कक्षाओं का शुभारंभ हुआ। स्वराज सदन में हुए कार्यक्रम में एमडीयू के पूर्व डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. सुरेंद्र कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नियमित मार्गदर्शन, स्वाध्याय, चर्चा और विषयों की व्याख्या प्रभावी सीखने के प्रमुख आधार हैं। महर्षि पतंजलि के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन और ज्ञान को समझकर आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। यूसीसीई के निदेशक प्रो. विनय मलिक ने मुख्य अतिथि और विद्यार्थियों का स्वागत किया।

हड़ताल खत्म होते ही बिजली निगम के एक्सईएन सस्पेंड

रोहतक के महम में सप्लाई बहाली में लापरवाही का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बिजली कर्मचारियों की 45 घंटे चली हड़ताल खत्म होने के बाद सप्लाई बहाल करने में लापरवाही के आरोपों के बीच यूएचबीवीए ने महम में तैनात एक्सईएन संजीत कुमार को निलंबित कर दिया। शनिवार को जारी आदेशों के अनुसार, निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय पंचकूला रहेगा। वे सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। बताया जा रहा है कि हड़ताल समाप्त होने के बाद बिजली आपूर्ति बहाल कराने के लिए संजीत कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। निगम के सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर बिजेंद्र नरवाल के अनुसार, सरकार ने बिजली आपूर्ति की स्थिति के साथ अधिकारियों की मौजूदगी की रिपोर्ट भी मांगी थी। जानकारी न मिलने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। संजीत कुमार कुछ दिन पहले ही पदोन्नत होकर एक्सईएन बने थे। सीएम ने हड़ताल खत्म होने के बाद बाधित बिजली आपूर्ति जल्द बहाल करने के निर्देश दिए थे।



प्रदूषण बढ़ते ही फेफड़ों पर असर, पीजीआई में पहुंच रहे सांस के मरीज

लगातार खांसी व सांस फूलने को न करें नजरअंदाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

मौसम में बदलाव, वातावरण में बढ़ती नमी और प्रदूषण का स्तर लोगों की सेहत पर असर डालने लगा है। हवा में घुली धूल और प्रदूषण के सूक्ष्म कण सांस के मरीजों की परेशानी बढ़ा सकते हैं। पीजीआईएमएस में भी फेफड़ों और सांस संबंधी समस्याओं को लेकर मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार, पहले से अस्थमा, एलर्जी या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। दीपावली के आसपास प्रदूषण बढ़ने पर इनकी परेशानी और गंभीर हो सकती है।

सीलन से भी खतरा

श्वास रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश गुप्ता के अनुसार, नमी, धूल-मिट्टी और प्रदूषित हवा का संयुक्त प्रभाव श्वसन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। प्रदूषण में मौजूद सूक्ष्म कण सांस के जरिये फेफड़ों तक पहुंचकर जलन और सूजन बढ़ा सकते हैं। इससे खांसी, घरघराहट, सीने में जकड़न और सांस फूलने जैसी शिकायतें हो सकती हैं। ऐसे लक्षणों को सामान्य मौसमी परेशानी समझकर नजरअंदाज करना ठीक नहीं है। घरों के बंद कमरों, दीवारों और कोनों में नमी रहने से सीलन और फफूंद पनप सकती है। फफूंद के सूक्ष्म कण हवा में फैलकर संवेदनशील लोगों में एलर्जी और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ा सकते हैं। इसलिए घर में सफाई के साथ सीलन दूर करना और उचित वेंटिलेशन बनाए रखना जरूरी है। धुएं से बचाव भी करना चाहिए।

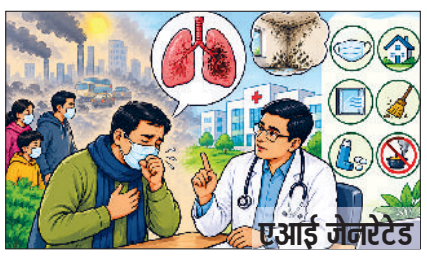

प्रदूषण से बचाव के लिए क्या करें?

- वायु गुणवत्ता खराब होने पर अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें।
- बाहर जाते समय उपयुक्त मास्क पहनें।
- घर में धूल जमा न होने दें और सीलन व फफूंद की समस्या दूर करवाएं।
- कमरों में उचित वेंटिलेशन रखें तथा धुएं से बचाव करें।
- अस्थमा के मरीज निर्धारित दवाएं समय पर लें।
- लगातार खांसी, घरघराहट या सांस फूलने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

बच्चे-बुजुर्ग रखें विशेष ध्यान

विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस की बीमारी से जूझ रहे लोग बाहर निकलने से पहले वायु गुणवत्ता का ध्यान रखें और प्रदूषण अधिक होने पर अनावश्यक गतिविधियों से बचें। सुबह-शाम टहलने जाने वाले लोग भी हवा की स्थिति देखकर समय तय करें। बाहर जाते समय उपयुक्त मास्क का इस्तेमाल करें। यदि खांसी लंबे समय तक बनी रहे, सीने में जकड़न महसूस हो या सांस लेने में परेशानी बढ़े तो चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अस्थमा के मरीज निर्धारित दवाओं और इनहेलर का इस्तेमाल चिकित्सकीय सलाह के अनुसार जारी रखें। खुद से दवा लेने से बचें। सांस लेने में गंभीर परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सा सहायता लें।



परामर्श में देरी न करें

"नमी, धूल-मिट्टी और प्रदूषण सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों की परेशानी बढ़ा सकते हैं। नमी वाले स्थानों पर पनपने वाली फफूंद फेफड़ों को प्रभावित कर सकती है। लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। सांस संबंधी लक्षण बढ़ने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने में देरी नहीं करनी चाहिए।"

-डॉ. राजेश गुप्ता, प्रोफेसर, श्वास रोग विभाग, पीजीआईएमएस, रोहतक

खबर संक्षेप

खेत की नाली में मिट्टी गिरने पर हुआ झगड़ा

रोहतक। गांव रुड़की में खेत में हुए झगड़े के दौरान घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत के मामले में आईएमटी थाना पुलिस ने आरोपी नसीब को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में सुनारियां जेल भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि 12 अक्टूबर को नरेंद्र निवासी रुड़की की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि खेत में पानी की नाली में मिट्टी गिरने को लेकर रविंद्र की नसीब, सुभाष और अंकित के साथ कहासुनी हो गई थी।

प्रोटेक्शन चार्ज हटाने के नाम पर 1.21 लाख ठगे

रोहतक। मानसरोवर कॉलोनी निवासी एक युवक को क्रेडिट कार्ड से प्रोटेक्शन चार्ज हटाने का झांसा देकर 1,21,226 रुपये की साइबर ठगी कर ली गई। आरोपी ने खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताकर युवक को फर्जी लिंक भेजा और उससे जानकारी भरवा ली। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में दिव्यांश टूटेजा ने बताया कि 21 सितंबर 2026 को उसके मोबाइल पर एक कॉल आई। फोन करने वाले ने कहा कि उसके एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड पर प्रोटेक्शन चार्ज लगा है, जिसे नहीं हटवाने पर हर महीने पैसे कटते रहेंगे।

वैश्य कॉलेज में फेस्ट टेकफ्यूजन का आगाज

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में 26 से 28 अक्टूबर तक तीन दिवसीय अंतर-महाविद्यालयी टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट 'टेकफ्यूजन-2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में 10 से अधिक कॉलेजों के 800 से अधिक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे तीन दिनों के दौरान कुल 51 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन तीन प्रमुख क्लबों के माध्यम से किया जाएगा। तकनीकी स्पर्धाएं 'इनोवेयर टेक्निकल क्लब', सांस्कृतिक कार्यक्रम 'विवेकानंद कल्चरल क्लब' तथा खेलकूद प्रतियोगिताएं 'लाला लाजपत राय स्पोर्ट्स क्लब' के तत्वावधान में संपन्न होंगी।

राजकीय कॉलेज महम में दी योग की ट्रेनिंग

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में छात्राओं के लिए योग एवं स्वास्थ्य संबंधी सत्र आयोजित किया गया। सत्र में पूर्व एनआईएस योग कोच व आयुष मंत्रालय से सर्टिफाइड योग प्रशिक्षक अजय पन्नू ने छात्राओं को विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम की विधियों की विस्तृत जानकारी देने के साथ उनका व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया। छात्राओं ने प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया। प्राचार्य डॉ. सत्यव्रत ने छात्राओं को नियमित योगाभ्यास अपनाने को किया प्रेरित।

कुष्ठ रोगियों को रोजाना स्वास्थ्य सुविधाएं देना प्राथमिकता : घोष

- महात्मा गांधी ने समाज के वंचित जरूरतमंद और उपेक्षित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक



रोहतक। कमरों का उद्घाटन करते हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों का उत्थान और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध करवाना ही विकसित भारत की वास्तविक पहचान है। रोहतक के गांधी कुष्ठ आश्रम में नवनिर्मित कमरों का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों के कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा और पुनर्वास के लिए सरकार, प्रशासन और समाज को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोगियों को नियमित राशन, आवश्यक दवाइयां, पौष्टिक भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उनके बच्चों की शिक्षा तथा आजीविका के अवसर सुनिश्चित करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष भी उपस्थित रही। राज्यपाल ने रेड क्रॉस सोसाइटी की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित कुष्ठ आश्रमों और केंद्रों में रह रहे लोगों की देखभाल एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

कुष्ठ पीड़ित भी समाज का हिस्सा : राज्यपाल

राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने सदैव समाज के वंचित, जरूरतमंद और उपेक्षित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया। उन्हीं के आदर्शों से प्रेरित होकर गांधी कुष्ठ आश्रम की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के विचारों को वास्तविक रूप में अपनाने का अर्थ है कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और बेहतर जीवन उपलब्ध करवाया जाए। कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का पूरा अधिकार है।

आश्रम में दवाइयों की उपलब्धता पर दिया जोर

उन्होंने कहा कि केवल भवनों का निर्माण कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि वहां रहने वाले लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना और भवनों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित करना भी जरूरी है। उन्होंने आश्रम में राशन और दवाइयों की उपलब्धता से संबंधित समस्याओं के शीघ्र समाधान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वे हरियाणा सरकार से बंद किए गए राशन की व्यवस्था को दोबारा सुचारू रूप से शुरू करने का अनुरोध करेंगे, ताकि आश्रम में रह रहे किसी भी व्यक्ति को भोजन के अभाव का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कुष्ठ रोगियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक उपचार और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही, आश्रम में रह रहे परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने पर भी बल दिया।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष का एमडीयू में किया भव्य स्वागत



रोहतक। हरियाणा के राज्यपाल एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे। फैकल्टी हाउस में कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्यपाल व उनकी पत्नी एवं हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष स्वागत किया। राज्यपाल ने युवाओं को नशे से दूर रखने, ड्रग-फ्री कैंपस बनाने और विद्यार्थियों को खेलों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने नियमित पेरेंट्स-टीचर मीटिंग आयोजित करने की बात कही। कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने कुलाधिपति को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, खेल और सामाजिक सरकारों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. रणदीप राणा, रजिस्ट्रार प्रो. संदीप बंसल, डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. राजेश पूनिया, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग, निदेशक सीसीपीसी प्रो. दिव्या मल्हान, निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रताप राठी, फैकल्टी हाउस इंचार्ज डॉ. संजीव कुमार तथा रोहतक के जिला उपायुक्त सतबीर सिंह और पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

18वीं जिला स्तरीय जंप रोप प्रतियोगिता में रोहतक प्रथम



रोहतक। नेहरू कॉलोनी स्थित नवयुग हाई स्कूल के प्रांगण में रोहतक जिला जंप रोप संघ एवं हरियाणा जंप रोप संघ द्वारा आयोजित 18वीं जिला स्तरीय जंप रोप प्रतियोगिता का समापन धूमधाम से हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी व उद्योगपति राकेश सैनी ने किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और उज्ज्वल भविष्य के लिए खेल व पढ़ाई दोनों समान रूप से जरूरी हैं। नवयुग स्कूल के प्रबंधक ऋषि राज निनानिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संघ के संस्थापक वीर सिंह आर्य ने बताया कि प्रतियोगिता में शहर के 15 स्कूलों व अकादमियों के 250 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। शानदार प्रदर्शन के बल पर नवयुग हाई स्कूल ने ओवरऑल ट्रॉफी पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कॉलर रोजरी स्कूल और फ्यूजन 4 अकादमी ने द्वितीय तथा धजाराम स्कूल रुड़की ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पीयूष कुमार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एसडीएम आशीष कुमार वशिष्ठ ने विजेताओं को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व नगर सुधार मंडल अध्यक्ष सुशील शर्मा, डॉ. विजयपाल निधानिया, ओमप्रकाश निनानिया, डॉ. दीपक भारद्वाज, आजाद बुधवार, प्रिंसिपल गीता जांगड़ा आदि रहे।

(सिंगल बाउंस) परिणाम

आयु 12 (लड़कियां): अनुष्का (प्रथम), छवि (द्वितीय), आराध्या (तृतीय)।
आयु 12 (लड़के): अनुज (प्रथम), देव (द्वितीय), हर्षित (तृतीय)।
आयु 14 (लड़कियां): अवनी (प्रथम), भावना (द्वितीय), गणिका (तृतीय)।
आयु 14 (लड़के): आयुष (प्रथम), चिराग (द्वितीय), सामर्थ (तृतीय)।

पीडब्ल्यूडी ने 6 माह में अंडरपास बनाया, निगम से कारपेटिंग नहीं हुई

ओमेक्स सिटी से मस्तनाथ स्कूल तक बनी सड़क दो माह में दो बार टूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में सड़कों के निर्माण और रेखरखाव को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ओमेक्स सिटी के गेट से मस्तनाथ स्कूल के सामने तक बनाई गई सड़क दो महीने के भीतर ही दो बार टूट चुकी है। वहीं, सड़क का निर्माण सेक्टर-27 के गेट तक दोनों तरफ से किया जाना था, लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया गया। ऐसे में लोगों को नई सड़क बनने के बावजूद राहत नहीं मिल पाई है। दिल्ली जाने वाले इस प्रमुख मार्ग पर गड्ढों के कारण रोजाना हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदार जयभगवान, जयवीर, रमेश, अजय, देव कुमार का कहना है कि इस मार्ग पर सड़क निर्माण से उम्मीद जगी थी कि आवागमन सुगम होगा और वाहन चालकों को गड्ढों से छुटकारा मिलेगा। लेकिन सड़क का कुछ हिस्सा बनाने के बाद काम अधूरा छोड़ दिया गया। इतना ही नहीं, जो सड़क बनाई गई थी, वह भी दो महीने के अंदर दो बार क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इससे निर्माण की गुणवत्ता और सड़क की मजबूती को लेकर सवाल उठने लगे हैं।



निर्माण में लापरवाही, गुणवत्ता पर उठे सवाल

सड़क बनने के कुछ ही समय बाद दो बार टूटने से लोगों में नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य सही तरीके से किया गया होता तो इतनी जल्दी सड़क की हालत खराब नहीं होती। लोगों को आशंका है कि मरम्मत या निर्माण में लापरवाही के कारण सरकारी धन खर्च होने के बावजूद समस्या बनी हुई है। हालांकि, सड़क टूटने के वास्तविक कारणों का पता तकनीकी जांच के बाद ही चल सकेगा।

दिल्ली जाने वाले मुख्य मार्ग पर गड्ढों से हजारों लोग परेशान
अधूरी सड़क के कारण वाहन चालकों को उठानी पड़ रही परेशानी

नहीं मिल रही हिचकोलो से राहत

ओमेक्स सिटी के गेट से मस्तनाथ स्कूल के सामने तक सड़क का निर्माण होने के बावजूद आगे का हिस्सा बदहाल है। सेक्टर-27 के गेट तक दोनों तरफ सड़क बनाई जानी थी, लेकिन यह काम पूरा नहीं हुआ। नतीजतन, वाहन चालकों को एक हिस्से में बनी सड़क और दूसरे हिस्से में मौजूद गड्ढों के बीच से गुजरना पड़ता है। व्यस्त मार्ग होने के कारण यहां दिनभर वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क की खराब हालत के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

लोगों का कहना है कि दिल्ली जाने वाले इस मुख्य रास्ते से रोजाना बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं। इसके बावजूद सड़क निर्माण का काम पूरा नहीं होने और बने हुए हिस्से के क्षतिग्रस्त होने पर निगम की ओर से प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। लोगों की मांग है कि सड़क की गुणवत्ता की जांच कराई जाए और टूटे हिस्से की स्थायी मरम्मत की जाए।

जल्द प्रारंभ किया जाएगा सड़क का निर्माण

सड़क का निर्माण जल्द ही शुरू किया जाएगा। आमजन को इसके लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। अंडरपास के कार्य को लेकर सड़क निर्माण रूका हुआ था। अब इसे जल्द ही शुरू कर सड़क को पूरा किया जाएगा।
-योगराज, कार्यकारी अभियंता

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीईसी ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका

सांपला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वोट चोरी के मुद्दे पर शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनका पुतला फूंका। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। सभी कार्यकर्ता बाजार छोटूराम की प्रतिमा के पास इकट्ठे हुए और नारे लगाते हुए पुरानी अनाज मंडी अग्रसेन चौक पर पहुंचे। वहां उन्होंने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। जिला अध्यक्ष बलवान सिंह रंगा ने कहा कि वोट चोरी का मुद्दा छोटा नहीं है। उन्होंने आरोप लगा कि भाजपा अपनी मर्जी से जनादेश चुरा लेती है। ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के कोऑर्डिनेटर ओमप्रकाश खत्री ने कहा कि वोट चोरी से लोकतंत्र से भरोसा कमजोर हो रहा है। ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस लगातार प्रदर्शन कर रही है जब तक इस्तीफा नहीं होगा आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि तीन कृषि कानून का वापस करवाने में किसानों को डेढ़ साल तक संघर्ष करना पड़ा था। इसलिए इस मांग में भी समय लगेगा। इस मौके पर बिट्टू हुड्डा, बिल्लू हुड्डा, पहलवान देवेंद्र खेड़ी सांपला, निर्मला देवी, रूप सिंह, काला आदि रहे।





आज होगा संत बाबा सांवल शाह का वार्षिक सम्मेलन और भंडारा

रोहतक। टिकाना संत बाबा सांवल शाह की ओर से आयोजित वार्षिक यज्ञ, संत सम्मेलन एवं विशाल भंडारे को लेकर प्रेस वार्ता की गई। इसमें महामंडलेश्वर स्वामी राघवेंद्र भारती और बाबा सुखा शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि संत महापुरुषों की स्मृति में वार्षिक सम्मेलन का आयोजन रविवार, 25 अक्टूबर को भिवानी रोड स्थित दि रेडिएंट गार्डन में किया जाएगा। कार्यक्रम संत बाबा सांवल शाह महाराज के आशीर्वाद से आयोजित होगा।समारोह में हरियाणा के राज्यपाल असीम घोष, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज, निरंजनी अखाड़ा हरिद्वार के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वामी रविंद्रपुरी महाराज, महंत बाबा मदन शाह महाराज, कथावाचक स्वामी शंकरानंद महाराज सहित अनेक संत-महात्माओं के पहुंचने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम संयोजक समाजसेवी एवं उद्योगपति राजेश जैन तथा सेवादार महंत बाबा गौरव शाह महाराज भी आयोजन से जुड़े हैं। बाबा सुखा शाह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे सत्संग से होगी। दोपहर एक बजे सत्संग के उपरांत विशाल भंडारा लगाया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

मदवि के राष्ट्रीय एकता शिविर में दिखी सांस्कृतिक विविधता

रोहतक। नशे से दूरी, स्वस्थ जीवनशैली और राष्ट्रीय एकता का संदेश लेकर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में शनिवार को स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'से नो टू ड्रग्स : यस टू लाइफ' के संदेश के साथ देशभक्ति गीतों के बीच जागरूकता रैली निकाली गई। वहीं, खेल प्रतियोगिताओं, शैक्षणिक सत्रों और एकल व समूह नृत्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, ज्ञान और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को मंच मिला। दिन की शुरुआत नशा मुक्ति जागरूकता रैली से हुई। 'कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सविता राठी, उप कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अंजू पंवार, राजकीय महिला महाविद्यालय, लाखन माजरा से डॉ. मनीषा तथा छोटू राम आर्य महाविद्यालय, सोनीपत से डॉ. अभिमन्यु मलिक भी उपस्थित रहे।



न्यूज डायरी



महात्मा आनंद स्वामी की याद में मनाया प्रेरणा सप्ताह

रोहतक। डीएवी पब्लिक स्कूल (डीएलएफ/कमला नगर) में 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक महात्मा आनंद स्वामी की जयंती व पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में प्रेरणा सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह भर चले इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वामी के जीवन, शिक्षाओं और सामाजिक योगदान से अवगत कराना था। शुभारंभ अवसर पर प्राचार्या ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सत्य, सेवा, सदाचार व नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।सप्ताह के दौरान विद्यालय में भजन-कीर्तन, लघु नाटिकाएं, भाषण प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में भक्तिमय और प्रेरणादायक माहौल बना रहा। अंत में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने स्वामी जी के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

शिक्षा मंत्री से मिला प्राथमिक शिक्षक संघ

रोहतक। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा के अध्यक्ष तरुण सुहाग तथा महासचिव राजेश शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा से मुलाकात कर प्राथमिक शिक्षकों की प्रमुख मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने आरटीई एक्ट 2009 एवं टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त कार्यरत शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से छूट देने की मांग की। संघ ने तमिलनाडु व जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर विधेयक लाने या अन्य राज्यों की भांति विभागीय परीक्षा का विकल्प देने का सुझाव दिया। इसके अलावा शिक्षक तबादला नीति, मिड-डे मील की गुणवत्ता, प्राथमिक स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के लिए पर्याप्त बजट, 2012 सर्विस नियमों के तहत समय पर एसीपी प्रदान करने तथा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने की बात प्रमुखता से उठाई। शिक्षा मंत्री ने सभी विषयों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए अगले सप्ताह सचिवालय, चंडीगढ़ में उच्च अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में राजेश पूनिया, नरेंद्र मोहड़ा, सूबे सिंह सुजान, ललित कुमार, अशोक कुमार व देवेंद्र गहलावत सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।



पुलिस शहीदों की याद में चलाया पौधरोपण अभियान

रोहतक। पुलिस शहीदों की स्मृति में रोहतक पुलिस ने जिले के सभी थानों में स्वच्छता अभियान चलाया और थाना परिसरों में पौधारोपण किया। पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के निर्देशानुसार आयोजित इस अभियान का उद्देश्य शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान को याद करने के साथ स्वच्छ एवं हरित वातावरण का संदेश देना है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस शहीदों ने देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी स्मृति में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। रोहतक पुलिस ने आमजन से भी आसपास साफ-सफाई रखने, अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

बहुअकबरपुर में पत्नी की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। घर के बंद दरवाजे के बाहर पति की आवाज और अंदर मौजूद पत्नी के बीच क्या हुआ, इसका पूरा सच पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा। लेकिन कुछ ही देर बाद एक महिला खून से लथपथ हालत में पड़ोसियों के पास पहुंची तो गांव में हड़कंप मच गया। बहुअकबरपुर गांव में 36 वर्षीय मनीषा की चाकू से वार कर हत्या करने का आरोप उसके पति सोमबीर पर लगा है, जो सीआरपीएफ में हवलदार बताया जा रहा है। घायल मनीषा को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। शनिवार को पोस्टमार्टम करवाने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। मामले में आरोपी पति को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ कर रही है। मृतका के भाई नरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 अक्टूबर की शाम उसने अपनी बहन मनीषा को फोन किया था। उस समय उसकी बेटी अनीशा ने कॉल उठाई। नरेंद्र के अनुसार, फोन पर पीछे से सोमबीर की आवाज सुनाई दे रही थी। वह मनीषा से दरवाजा खोलने के लिए कह रहा था और उसे जान से मारने की धमकी दे रहा था। आरोप है कि इसके कुछ समय बाद ही मनीषा पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस अब घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। हमले में गंभीर रूप से घायल मनीषा किसी तरह पड़ोसियों के पास पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसके गले के पास से खून निकल रहा था और कपड़े खून से सने हुए थे।

एमडीयू इंटर-कॉलेज क्रिकेट प्रतियोगिता में दिखा रोमांच

वैश्य कॉलेज रोहतक ने फरीदाबाद को मुकाबले में 121 रन से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खेल निदेशालय के तत्वावधान में आयोजित इंटर-कॉलेज टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को रोमांचक मुकाबले खेले गए। शनिवार के मैचों में वैश्य कॉलेज रोहतक और पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय कॉलेज रोहतक ने अपने-अपने प्रतिद्वंदियों को पछाड़कर धमाकेदार जीत हासिल की।

दिन के पहले मुकाबले में राजकीय कॉलेज फरीदाबाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वैश्य कॉलेज रोहतक की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 155 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। वैश्य कॉलेज की ओर से प्रतीक ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 43 रन और गौरव ने 35 गेंदों में 38 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। फरीदाबाद की ओर से गेंदबाजी करते हुए युवराज ने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट और मोहन ने 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट चटकाए। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजकीय कॉलेज फरीदाबाद की टीम वैश्य कॉलेज के गेंदबाजों की धारदार गेंदबाजी के आगे पूरी तरह पस्त हो गई और महज 9.2 ओवरों में 34 रनों पर ढेर हो गई। फरीदाबाद की तरफ से केवल देव ही 5 गेंदों में 11 रन बनाकर कुछ संघर्ष दिखा सके। वैश्य कॉलेज के गेंदबाज नितिन गुप्ता ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3.1 ओवर में 14 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि हिमांशु ने 2.2 ओवर में केवल 9 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इस तरह वैश्य कॉलेज रोहतक ने यह मुकाबला 121 रनों के विशाल अंतर से जीत लिया।



टॉस करवाते आयोजक

दिन के दूसरे मैच में नेकीराम कॉलेज की शानदार जीत

दिन के दूसरे मैच में सीआरए कॉलेज सोनीपत और पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय कॉलेज रोहतक के बीच भिड़ंत हुई। सीआरए कॉलेज सोनीपत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन नेकी कॉलेज के गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के सामने सोनीपत की पूरी टीम 18.3 ओवर में केवल 69 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। सोनीपत की ओर से आदित्य ने 23 गेंदों में सर्वाधिक 18 रन बनाए। नेकीराम के गेंदबाज नीरज ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट और जतिन ने 4 ओवर में केवल 3 रन देकर 3 विकेट चटकाए। 70 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय कॉलेज रोहतक की टीम ने महज 7.2 ओवर में 1 विकेट खोकर 70 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। स्टार बल्लेबाज नीरज ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 27 गेंदों में नाबाद 52 रनों की तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली और टीम को जीत दिलाई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 अक्टूबर 2026

इन दिनों हर तरफ एलन मस्क की टेस्ला रोडस्टर कार को लेकर रॉकेट तकनीक और उड़ने की क्षमताओं से जुड़ी चर्चाएं हो रही हैं। रोडस्टर की प्रस्तावित उत्पादन समय सीमा 2028 बताई गई है। उड़ती हुई कारें निश्चित रूप से भविष्य के परिवहन का एक हिस्सा बन सकती हैं। लेकिन अभी इसे हकीकत बनने में कई सवालों और चुनौतियों का सामना करना होगा।

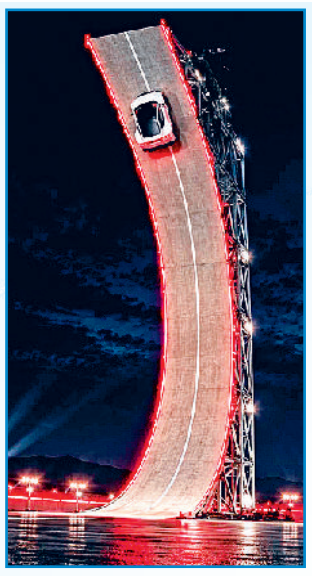



क्या सच होने वाला है उड़ती कार का सपना !

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

उड़ती हुई कारों का सपना अब केवल विज्ञान कथाओं, हॉलीवुड फिल्मों और भविष्य की कल्पनाओं तक सीमित नहीं है। गुजरे 15 अक्टूबर 2026 को टेक्सास में टेस्ला की ऐसी ही उड़न कार नई रोडस्टर के प्रदर्शन ने इस अनुमान को और मजबूत किया है। एलन मस्क की टेस्ला के अलावा भी दुनिया की कई कंपनियां ऐसी कारों के विकास में काफी हद तक सफल हो चुकी हैं या इसके नजदीक पहुंच चुकी हैं, जो सड़क पर कार की तरह चलने के बजाय हवा में उड़ सकेंगी। कहीं इन्हें फ्लाइंग कार कहा जा रहा है, कहीं इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यानी ईवीटीओएल और कहीं एयर टैक्सी। लेकिन एक बुनियादी सवाल अब भी रह-रहकर जेहन में आ रहा है कि क्या हम सचमुच उड़ती हुई कारों के युग की दहलीज पर खड़े हैं या तकनीक की चमक ने भविष्य की तस्वीर को वास्तविकता से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है? इस बात को समझना होगा कि सड़क पर चलने वाली कार, रॉकेट से जुड़ा प्रदर्शन और यात्रियों को लेकर उड़ने वाला प्रमाणित विमान- तीनों अलग-अलग चीजें हैं। भविष्य की परिवहन क्रांति को समझने के लिए इस अंतर को ध्यान में रखना जरूरी है।



कई देशों में बन रही ईवीटीओएल



नीदरलैंड में निर्मित पाल-वी लिबर्टी कार

आसान नहीं सपने का सच होना

बीते 15 अक्टूबर 2026 को एलन मस्क ने स्पेसएक्स की तकनीक से जुड़े थ्रस्टरों की मदद से अमेरिका के टेक्सास में अपनी बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित टेस्ला की नई रोडस्टर कार को एक घुमावदार रैंप से हवा में उछलते, पलटते और जमीन पर उतरते दिखाया और अपनी सपनीली उड़न कार को लेकर असाधारण दावे भी किए हैं। इसके बाद से उड़न कार की चर्चाएं एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। लेकिन उड़ान के जानकारों के मुताबिक इस प्रदर्शन को सामान्य अर्थों में उड़ने वाली कार का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कुछ क्षण हवा में उछलना और नियंत्रित उड़ान भरकर यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है। हालांकि इस घटना का महत्व फिर भी कम नहीं है। इसने एक बार फिर दिखाया कि सड़क परिवहन और एयरोस्पेस तकनीक के बीच की दूरी घटाने की महत्वाकांक्षा कितनी बड़ी हो चुकी है। मगर भविष्य की असली परीक्षा रोमांचक प्रदर्शन नहीं बल्कि सुरक्षा, उपयोगिता, लागत और नियामकीय मंजूरी होगी। साथ ही इसकी जोर-शोर से हो रही तैयारियों के बीच यह सवाल भी वाजिब है कि क्या हर कार को उड़ने की जरूरत होगी?

वास्तविकता को समझना होगा

फ्लाइंग कार से जुड़े सवालों का जवाब समझने के लिए पहले इसकी दो अलग अवधारणाओं को समझना होगा। पहली यह कि ऐसी कार, जो सड़क पर भी चल सके और जरूरत पड़ने पर उड़ भी सके। दूसरी है इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी, जो सड़क पर चलने वाली कार नहीं बल्कि छोटी उड़ने वाली कार या मशीन है। इसे ही आमतौर पर ईवीटीओएल कहा जाता है यानी टैक्सी के रूप में एक विमान, जो बिजली से उड़ता हो और हेलीकॉप्टर की तरह सीधे ऊपर उठ सके और नीचे उतर सकता हो।

यह दूसरी अवधारणा फिलहाल ज्यादा व्यावहारिक दिखाई देती है। शहरों के बीच हर व्यक्ति की निजी उड़ने वाली कार की तुलना में हवाई अड्डे से शहर के केंद्र तक तेज परिवहन, महानगरों में सीमित दूरी की हवाई टैक्सी और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले उपयोगी साबित हो सकती हैं। इससे जमीन पर मौजूद सड़क नेटवर्क को हटाने के बजाय उसके ऊपर एक नया परिवहन विकल्प तैयार होगा। हमें यह समझना होगा कि महानगरों में यातायात की समस्या केवल सड़कों की कमी नहीं है। आबादी का घनत्व, गलत शहरी नियोजन, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन की अपर्याप्तता और यात्रा की बढ़ती मांग भी इसके कारण हैं। ऐसे में उड़ती हुई कारों को हर समस्या का समाधान मानना जल्दबाजी होगी। कल्पना करें दिल्ली, मुंबई या बंगलुरु में हजारों निजी उड़ने वाली कारें एक साथ आसमान में उतर आएं, तब सवाल होगा कि उन्हें उड़ने की अनुमति कौन देगा, उनके लिए हवाई गलियारे कैसे निर्धारित होंगे, दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी और वे कहां उतरेंगी? यदि हर इमारत की छत पर लैंडिंग की व्यवस्था करनी पड़े, तो शहरी ढांचे को पूरी तरह बदलना होगा। इसके अलावा, बैटरी की क्षमता, उड़ान की दूरी, मौसम का प्रभाव, शोर, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा भी बड़ी चुनौतियां हैं। कम दूरी की इलेक्ट्रिक उड़ान संभव बनाने वाली तकनीक अपने आप में यह गारंटी नहीं देती कि वह हर मौसम में सुरक्षित और किफायती सेवा दे सकेगी।



अमरिका में बनी जॉबी एविएशन का एस4

खत्म नहीं होंगे पारंपरिक वाहन

उड़न कारों के बारे में सोचते हुए एक यह सवाल भी जेहन में आता है कि क्या उड़ने वाली कारों के आने के बाद रेल, मेट्रो, बसें और सामान्य कारें अप्रासंगिक हो जाएंगी? इसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि परिवहन के इतिहास में नए साधन पुराने साधनों को पूरी तरह समाप्त नहीं करते बल्कि उनकी भूमिका बदलते हैं। विमान आने के बाद रेल खत्म नहीं हुई, मेट्रो के विस्तार से बसों की जरूरत समाप्त नहीं हुई। उसी तरह उड़ने वाली कारें भी पहले उन यात्राओं में जगह बना सकती हैं, जहां समय की कीमत अधिक है और यात्रियों की संख्या सीमित है। मेट्रो और रेल बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा और कम जगह में ले जाने में सक्षम हैं। बसें स्थानीय संपर्क प्रदान करती हैं, जबकि निजी कारें घर से गंतव्य तक लचीली यात्रा का विकल्प देती हैं।

भविष्य में ऐसा हो सकता है

एक यात्री घर से इलेक्ट्रिक कार में मेट्रो स्टेशन तक पहुंचे, लंबी दूरी ट्रेन से तय करें और अंतिम चरण में हवाई टैक्सी का इस्तेमाल करे, ऐसी एकीकृत व्यवस्था अधिक यथार्थवादी है। इस तरह उड़ती हुई कारों का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि कोई वाहन हवा में उठ सकता है या नहीं। असली प्रश्न यह होगा कि क्या वह आम आदमी की जरूरतों के अनुकूल सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकता है। हालांकि, उस भविष्य में सबसे महत्वपूर्ण वाहन शायद वह नहीं होगा जो सबसे ऊंचा उड़ता है बल्कि वह होगा जो लोगों को सबसे सुरक्षित, सुलभ और कम खर्च में उनकी मंजिल तक पहुंचाता है। *



कई देशों में हो रहे प्रयास

भले आज अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड सहित कई देशों में अलग-अलग तरह के उड़ने वाले वाहन विकसित हो रहे हों। अमेरिका में जॉबी एविएशन का एस4 और आर्चर एविएशन का मिडनाइट जैसे विमान हवाई टैक्सी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। चीन की ईहैंग अपने ईएच216-एस जैसे बिना पायलट वाले यात्री विमान के कारण उल्लेखनीय बढ़त रखती है। जापान की स्काईड्राइव और चीन की एक्सपेंग एरॉएचटी सड़क और आसमान के बीच संबंध बनाने वाली अलग अवधारणाओं पर काम कर रही हैं। मगर यहां एक महत्वपूर्ण अंतर है। तकनीकी प्रोटोटाइप उड़ाना, विमान का नियामकीय प्रमाणन प्राप्त करना और नियमित व्यावसायिक यात्री सेवा शुरू करना तीन अलग-अलग पड़ाव हैं। चीन का ईएच216-एस प्रमाणन और सीमित सेवाओं के मामले में आगे है, जबकि अमेरिका में जॉबी जैसे खिलाड़ी पायलट वाले विमानों के प्रमाणन की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए किसी एक देश को सभी तरह की उड़ने वाली कारों का निर्विवाद विजेता कहना अभी सही नहीं होगा।

अब रोबोट करेंगे सर्जरी !

अभी तक इंसानी डॉक्टर की मदद से रोबोटिक सर्जरी हुआ करती थी। लेकिन अब इंसानी डॉक्टर से दूर रहकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम देने की दिशा में कदम आगे बढ़ गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा, आने वाले समय में मेडिकल साइंस में रोबोट की भूमिका और कितनी बढ़ती है?

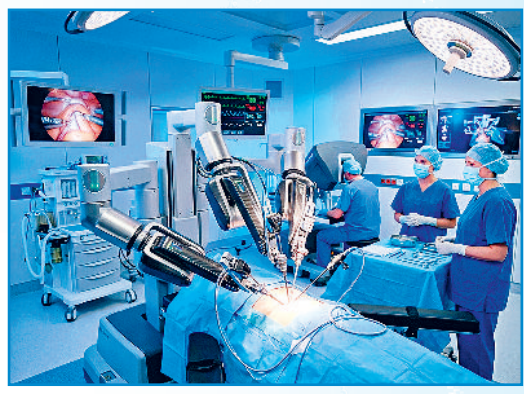

{ टेक्नोट्रीटमेंट / वीरेंद्र बहादुर सिंह }

मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। आज भारत में भी घुटने और कूल्हे के जॉइंट रिप्लेसमेंट से लेकर कई तरह की छोटी-बड़ी सर्जरी रोबोटिक तकनीक की मदद से की जाने लगी हैं। हालांकि इन ऑपरेशनों में रोबोट अपने आप सर्जरी नहीं करता। अनुभवी और कुशल डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रहते हैं और रोबोटिक उपकरणों की मदद से पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। लेकिन अमेरिका में हाल ही में हुए एक प्रयोग ने भविष्य की मेडिकल सर्जरी की संभावनाओं को एक कदम और आगे बढ़ा दिया है।

दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने की सर्जरी: अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एक ऐसा प्रयोग किया गया, जिसमें दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने एक जीवित मरीज पर सर्जरी की। इस दौरान गॉल-ब्लैडर यानी पित्ताशय को शरीर से अलग किया गया। ऑपरेशन में चीरा लगाना, लिवर से पित्ताशय को अलग करना और अंत में टांके लगाने जैसी प्रक्रियाएं रोबोट ने पूरी कीं।

यह दावा सुनने में बेहद रोमांचक है कि रोबोट ने स्वयं ऑपरेशन कर दिया, लेकिन इस प्रयोग की वास्तविकता को समझना जरूरी है। पहली बात यह कि मरीज इंसान नहीं, बल्कि एक पशु था। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रशिक्षित मानव डॉक्टर पूरी प्रक्रिया के दौरान मौजूद थे। वे ऑपरेशन थिएटर से दूर बैठकर टेली ऑपरेशन तकनीक के माध्यम से रोबोट को नियंत्रित कर रहे थे। फिर भी मेडिकल साइंस के लिए यह प्रयोग बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट डॉक्टर की प्रत्यक्ष मौजूदगी के बिना भी जटिल सर्जरी कर सकते हैं?

नॉर्मल रोबोट ने किया ऑपरेशन: इस प्रयोग की एक और खासियत थी। इसके लिए कोई विशेष सर्जिकल रोबोट तैयार नहीं किया गया था। इसके बजाय दो नॉर्मल ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया गया। इन रोबोट में कई तरह के जोड़ थे और उनके हाथों में अंगूठे तथा अंगुलियों जैसी कार्यक्षमता थी। इसलिए वे अपने हाथों में अलग-अलग सर्जिकल उपकरण पकड़कर उनका इस्तेमाल कर सकते थे। इनमें श्रीडी लाइडार और डेप्थ कैमरा जैसी तकनीक भी लगी थी। इससे रोबोट अपने सामने मौजूद वस्तुओं की स्थिति और गहराई को समझ सकते थे। यही क्षमता सर्जरी जैसे अत्यंत संवेदनशील काम में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रयोग इस बात का संकेत है कि भविष्य की सर्जरी में केवल रोबोटिक मशीनें ही नहीं, बल्कि एआई, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स का संयुक्त इस्तेमाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

भारत में हो चुका है ऐसा प्रयोग: रोबोटिक सर्जरी की यह कहानी भारत के लिए पूरी तरह नई नहीं है। करीब आठ वर्ष पहले गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है, जिसमें डॉक्टर ने मरीज से कई किलोमीटर दूर बैठकर टेलीरोबोटिक तकनीक से सफलतापूर्वक हृदय की सर्जिकल प्रक्रिया की थी।

पद्मश्री से सम्मानित हृदय रोग विशेषज्ञ डा. तेजस पटेल ने 2018 में अहमदाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज के हृदय की प्रक्रिया को दूर बैठकर नियंत्रित किया था। उस समय डॉक्टर स्वयं अस्पताल से लगभग 30-32 किलोमीटर दूर गांधीनगर में थे। मरीज को कुछ दिन पहले ही हृदयाघात हुआ था। इसके बावजूद उसने दुनिया में इस तरह की पहली प्रक्रियाओं में से एक के लिए सहमति दी। यह प्रयोग इसलिए ऐतिहासिक था क्योंकि डॉक्टर और मरीज के बीच कई किलोमीटर की दूरी होने के बावजूद रोबोटिक सिस्टम और हाईस्पीड इंटरनेट की मदद से डॉक्टर मरीज की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सके।



कैसे होती है टेलीरोबोटिक सर्जरी: इस तरह की रोबोटिक प्रणाली मुख्य रूप से तीन हिस्सों में काम करती है। पहला हिस्सा अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म होता है, जो कैथलैब जैसी व्यवस्था के साथ जुड़ा रहता है और मरीज के शरीर में वास्तविक प्रक्रिया करता है। दूसरे हिस्से में एक बदली जा सकने वाली कैसेट होती है। इसमें प्रक्रिया के लिए जरूरी क्लिनिकल सामग्री और उपकरण व्यवस्थित रहते हैं। तीसरा हिस्सा डॉक्टर के लिए बनी कॉकपिट जैसी व्यवस्था होती है। डॉक्टर इसमें बैठकर गेमिंग के जॉयस्टिक जैसे नियंत्रण उपकरणों की मदद से रोबोटिक आर्म को संचालित करता है।

सबसे खास बात यह है कि यह कॉकपिट, ऑपरेशन थिएटर से काफी दूर भी हो सकती है।

सवाल भी है बरकरार: रोबोटिक सर्जरी को लेकर अकसर यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में रोबोट, डॉक्टरों की जगह ले लेंगे? फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी। सर्जरी केवल हाथों की सटीक गतिविधियों का नाम नहीं है। मरीज की स्थिति को समझना, अचानक पैदा होने वाली जटिलताओं का आकलन करना, निर्णय लेना और किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में तुरंत रणनीति बदलना, इन सबमें मानवीय विशेषज्ञता महत्वपूर्ण है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही दिलचस्प है। अगर एआई रोबोट को देखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता में लगातार बेहतर बनाता है और रोबोटिक तकनीक हाथों की अत्यंत सूक्ष्म गतिविधियों को अधिक सटीक बनाती है, तो डॉक्टर और रोबोट का यह गठजोड़ चिकित्सा क्षेत्र को पूरी तरह बदल सकता है। *



{ दोहे / केदार शर्मा }

पूर्ण चंद्रमा शरद का

दीप्त रजत-सी ओढ़नी, उजली पाखी रात।
पूर्ण चंद्र से शरद ऋतु, हंस-हंस करती बात।।
चटक चमक चक चांदनी, चंचल चित चकोर।
होले-होले हवा हंस, हुलराती हर ओर।।
षोडस अंशों युक्त है, मादकमय मुस्कान।
सम्मोहनमय मौन में, डूबा सकल जहान।।
कानन उपवन दमकते, नहा चांदनी संग।
नदी सरोवर बदलते, धवल वसन सम रंग।।
क्षीरसिंधु सुत क्षीर-सा, शीतलता सब ओर।
मंद-मंद मुस्कान में, मिला मधुर मन-मोर।।
पूर्ण चंद्रमा शरद का, बदले सब हालात।
कुदरत जैसे बांटती, कोई नई सौगात।।
पर्वों की आहट हुई, सर्दी की पदचाप।
उधर गुलाबी ठंड भी, बदन रही है नाप।।
बदली-बदली सी फिजां, बदल रहे हालात।
दिन की घड़ियां भी घटीं, और फैलती रात।।



{ पुस्तक अंश / सूर्यबाला }

कई प्रतिष्ठित सम्मानों से विभूषित वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला की आत्मकथात्मक संस्मरणों की पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' हाल में प्रकाशित होकर आई है। अपनी स्मृति की वीथियों से गुजरते हुए उन्होंने बहुत साधारण सी लगने वाली घटनाओं में व्याप्त असाधारण सौंदर्य और विमर्श को व्यक्त किया है। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रस्तुत है, इसी पुस्तक का एक संपादित अंश।

युवती वधुओं से एक गुहार

मनोविज्ञान कभी मेरा विषय नहीं रहा लेकिन मेरी 'मेरा विद्रोह', 'सुनंदा छोकरी की डायरी', 'सांझवाती' और 'निर्वासित' जैसी कहानियां पढ़कर लोग अकसर प्रश्न करते हैं, 'आप बच्चों और बूढ़ों के मनों को कैसे इतनी बारीकी से पढ़ पाती हैं?...तो मैं ही नहीं शायद हर रचनाकार जन्मजात मनोविज्ञानी होता है। यह मनोविज्ञान लेखन ही नहीं, जीवन में भी आई परिस्थितियों और चरित्रों से निर्वाह कर ले जाने की तरकीबें निकाल सकता है। मैंने इसी की मदद से श्वसुरालय के ग्राम्यांचल से जुड़े लोगों की मन, प्रकृति और समझ बांच ली थी। ये बेशक पुरानी और रीति-रिवाजों की लकीर पीटने वाले गलत परंपराओं, अंधविश्वासों को भी सही समझने वाले लोग हैं लेकिन मन के कुटिल नहीं। ये ऊपर से अड़ियल हैं, रूढ़ परंपराओं से अलग होने का उनमें भय व्यापता हैं, और वे असुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन अंदर से सीधे, भोले और अपनेपन की अकूत मिल्कियत के मालिक हैं। उन्होंने जीवन में सदा अपना-पराया, तेरा-मेरा अलगा-गुजारी और थोड़ी-थोड़ी चीजों पर लड़ना, अड़ना ही देखा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ अपने पतियों को भड़काती स्त्रियां, प्रायः हर विवाहित पुत्र, रात-दिन मां से पत्नी के विरुद्ध और पत्नी से उसकी मां के खिलाफ शिकायतों की अनवरत और अंधाधुंध कलह कोलाहल भरी शिकायतें सुनते-सुनते खब्त हो गया होता है। मुझे लेकर भी इस मां की, इस परिवार की कुछ वैसी ही रूढ़ धारणाएं बनी होंगी उसे संभालने में, उनकी धारणा बदलने में समय तो लगना ही था।

विश्व की प्रकृति प्रदत्त दुर्भाग्यपूर्ण विडंबनाओं में एक है, सास-बहू की परस्पर तनातनी वास्तव में यह एक ही 'पुरुष' पर अपना एकनिष्ठ वर्चस्व चाहने वाली उसके जीवन की दो अतिप्रिय स्त्रियों के क्लेश हैं क्योंकि वह दोनों का प्रिय है दोनों स्त्रियां उस पर अपना पूरा आधिपत्य चाहती हैं। पहली ने जिस बच्चे को जन्म दिया, शिशुपन से उसके सारे दुःख-सुख की साक्षी रही, एक ही रात में उस मां को एक-दूसरी युवती स्त्री द्वारा उसके पद से अपदस्थ कर दिया जाता है। (अनजाने ही सही) लेकिन बचपन से युवा होने तक जिसकी नींद सोयी, जिसकी नींद उठी, ऐसी मां और बेटे के निकटतम रक्त-संबंध के बावजूद, यह अपदस्थ मां, अपने 'दोनों बच्चों' (पुत्र-पुत्रवधु) से एक समझदार, सम्मानजनक व्यवहार, रिश्ता और निश्छल प्यार पा कर अति प्रसन्न और तृप्त भी हो सकती है, यह कोई युवती बहू शायद ही समझती हो। कम से कम प्रयोग के तौर पर ही, नाममात्र को ही, यदि वह पहले की तरह उस मां को घर की सम्राज्ञी, उसके बेटे की 'वही मां' बनी रहने का 'भरम' बनाये रख सके तो सीधे-सीधे सिर्फ भारत ही नहीं, विश्व की एक बड़ी मनोवैज्ञानिक समस्या छूमंतर हो सकती है। लेकिन इतना तक भी धैर्य कहां हो पाता है। न हमारी युवती वधुओं में! न परिपक्ववय वाली मां में ही प्रायः खलनायिकत्व अपनाने से बाज न आती वधुरानी को भी सीधे-सीधे, संपूर्ण प्रभुत्व, पर्याप्त स्पेस और स्वछंद स्वतंत्रता चाहिए होती है। तो लुटी-पिटी, हारी-खिसियानी हजार पूर्वाग्रहों से ग्रस्त, मां जो तमाम गलत धारणाओं की शिकार पहले से ही होती हैं, उनकी धारणा का रंग पक्का होता जाता है। मैंने इन्हीं दो गहरी खाइयों के बीच सेतुबंध का एक प्रयोग सा किया था जो सफल रहा और पूरे कुटुंब में तीन पीढ़ियों तक जीवन और संबंधों की समरसता कायम रही। सच तो यह है कि परिवार और रिश्तों से जुड़ी स्थितियों को सिर्फ 'घरेलू' मानकर न मुंह बिचकाया जा सकता है, न उन्हें टरकाया जा सकता है। थोड़े-बहुत उलटफेर के साथ कॉर्पोरेट और कारोबारी संस्थानों में जटिल रिलेशनशिप को साधने में काम आने वाली तरकीबों और फॉर्मूलों से ही इस मसले को भी हल किया जा सकता है। शर्त सिर्फ एक, इसे घरेलू समझ कर हल्के से न लिया जाए। *



(वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डिप सा'ब की तीसरी बेटी' से साभार)

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-

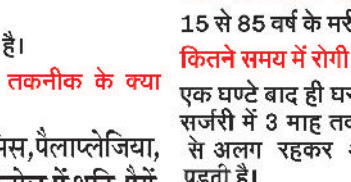

केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लाट फैलियर जैसे कॉम्पिलकेशन इसमें नही है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466



चित्तौड़गढ़ मीरा महोत्सव-2026

शौर्य की फिजा में महकती भक्ति

इतिहास में राजपूताना वीरगाथाओं से समृद्ध प्रदेश राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में आज और कल आयोजित हो रहे मीरा महोत्सव में भक्ति की बयार की अनुभूति आप कर सकते हैं। यह महोत्सव न केवल राजस्थान के इतिहास बल्कि वहां की कला, संगीत, संस्कृति से रूबरू होने का अवसर भी प्रदान करती है। इस महोत्सव की विशिष्टताओं पर एक नजर।

सांस्कृतिक आयोजन
वीना गौतम

कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जहां घूमने का अर्थ केवल खूबसूरत इमारतों को देखना, तस्वीरें खींचना और रास्ते में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना भर नहीं होता। वहां की मिट्टी, हवा और पत्थर भी कोई कहानी सुनाते हैं। राजस्थान का चित्तौड़गढ़ ऐसी ही जगह है। यहां दुर्ग की ऊंची प्राचीरें शौर्य और बलिदान की गाथाएं कहती हैं, विजय स्तंभ इतिहास की विराटता का अहसास कराता है और इन्हीं ऐतिहासिक दीवारों के बीच स्थित मीरा मंदिर प्रेम, समर्पण और आत्मिक स्वतंत्रता की एक बिल्कुल अलग दुनिया में ले जाता है। आज 25 और कल 26 अक्टूबर 2026 को आयोजित हो रहा मीरा महोत्सव ऐसा ही एक खास अवसर है।

संगीत-परंपरा की अनुभूति : राजस्थान पर्यटन के अनुसार इस दो दिवसीय आयोजन में मीरा की भक्ति, कविता, संगीत और राजस्थान की लोकपरंपराओं को केंद्र में रखा जाएगा। ऐसे में यह सफर केवल एक ऐतिहासिक शहर की सैर नहीं बल्कि उस प्रेम स्वरूपा महाभक्त मीरा को समझने का अवसर भी है, जिसने राजमहलों की मर्यादाओं के बीच अपने मन की स्वतंत्रता और कृष्ण के प्रति अपनी अनन्य भक्ति को चुना।

बहती है मीरा की भक्ति धारा: चित्तौड़गढ़ का नाम आते ही रानी पद्मिनी, महाराणा कुंभा, महाराणा सांगा और राजपूताना के शौर्य की स्मृतियां सामने आ जाती हैं। लेकिन इस शहर की सांस्कृतिक पहचान का एक दूसरा पक्ष भी है, जो तलवार की चमक से नहीं, वीणा की धुन और भक्ति के स्वर से उजागर होता है। मीरा इसी पक्ष की प्रतिनिधि हैं। सोलहवीं सदी की भक्त-कवयित्री मीराबाई का जीवन कृष्ण के प्रति उनकी अनन्य आस्था और सामाजिक रूढ़ियों से टकराने के लिए याद किया जाता है। उनके पदों में प्रेम है, विरह है, प्रतीक्षा है और अपने आराध्य के प्रति ऐसा समर्पण है, जो किसी एक काल या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उनकी कविता मंदिरों से निकलकर लोकगीतों, शास्त्रीय संगीत, भजन मंडलियों और आम लोगों की स्मृतियों में पहुंची। मीरा महोत्सव के दौरान भक्ति संगीत, काव्य और लोककलाओं के कार्यक्रम इस विरासत को नए सिरे से महसूस करने का अवसर देंगे।



पद्मिनी महल से गौमुख कुंड

ऐतिहासिक मीरा दुर्ग का दीदार: चित्तौड़गढ़ की यात्रा का सबसे प्रभावशाली पड़ाव है इसका विशाल दुर्ग। लगभग 180 मीटर ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह ऐतिहासिक परिसर दूर से ही अपने विस्तार और भव्यता से आकर्षित करता है। इसकी लंबी चढ़ाई, प्रवेशद्वार और भीतर फैले स्मारक, आगंतुकों को धीरे-धीरे उस दौर में ले जाते हैं, जब मेवाड़ की राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान इसी दुर्ग से आकार लेती थी। इसकी प्राचीरों पर खड़े होकर आस-पास के भू-भाग को देखना अपने आपमें एक अनुभव है। यहां इतिहास किसी बंद संग्रहालय में रखी वस्तु की तरह नहीं बल्कि खुले आकाश के नीचे फैले परिदृश्य की तरह सामने आता है। समय ने कई इमारतों को क्षतिग्रस्त किया, लेकिन उनके अवशेष आज भी सत्ता, संघर्ष, कला और स्मृति की परतें खोलते हैं। विजय स्तंभ इसकी पहचान का प्रमुख हिस्सा है। इसकी बारीकियों को देखते हुए समझ आता है कि मध्यकालीन भारत में स्मारक केवल विजय का प्रतीक नहीं बल्कि शिल्पकला और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम भी थे।

आकर्षक मीरा मंदिर: इसी दुर्ग के भीतर मीरा मंदिर पहुंचकर यात्रा का स्वर बदल जाता है। यहां राजसी वैभव और युद्धों की



मीरा मंदिर

स्मृतियों के बीच भक्ति की एक शांत दुनिया दिखाई देती है। मंदिर की स्थापत्य शैली, नक्काशी और परिसर का वातावरण पर्यटकों को कुछ देर ठहरने के लिए बाध्य करता है। यहां पहुंचकर मीरा के पदों को याद करना इस यात्रा को और अर्थपूर्ण बना सकता है। उनके काव्य में कृष्ण केवल आराध्य नहीं, बल्कि आत्मीय संवाद के साथी हैं। मीरा का प्रेम किसी सांसारिक उपलब्धि की आकांक्षा नहीं रखता, वह अपने विश्वास के साथ जीने की स्वतंत्रता का भी प्रतीक है। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनकी कविता अलग-अलग भाषाओं और पीढ़ियों के लोगों को छूती है। मीरा मंदिर में कुछ समय शांत बैठकर आसपास के स्थापत्य को देखकर कल्पना कर सकते हैं कि कैसे किसी कवयित्री की निजी अनुभूति धीरे-धीरे सामूहिक सांस्कृतिक विरासत बन जाती है। पर्यटन का असली आनंद शायद इसी बिंदु पर मिलता है, जब कोई जगह केवल देखने की वस्तु नहीं रहती, बल्कि भीतर कुछ बदलने का अवसर बन जाती है।

ये स्थल भी हैं दर्शनीय: जब आप मीरा महोत्सव में शामिल होने के लिए चित्तौड़गढ़ जाएं तो यहां स्थित कई और स्थलों को देख सकते हैं। रानी पद्मिनी का महल, राणा कुंभा का महल, गौमुख कुंड और कालिका माता मंदिर जैसे स्थल, इतिहास तथा स्थापत्य के अलग-अलग रूप सामने लाते हैं। पद्मिनी महल का परिसर और उसके आस-पास का जलाशय दुर्ग के दृश्यात्मक आकर्षण को बढ़ाते हैं, जबकि राणा कुंभा का महल, मेवाड़ की राजसी विरासत को समझने का अवसर देता है। गौमुख कुंड पर पहुंचकर कुछ देर ठहरना अविस्मरणीय अनुभव हो सकता है। चट्टान से निकलकर कुंड में पहुंचते जलस्रोत का दृश्य प्रकृति और आस्था के पुराने संबंध की याद दिलाता है। दुर्ग के भीतर जैन मंदिर भी हैं, जिनकी बारीक नक्काशी और स्थापत्य विविधता इस क्षेत्र की बहुधार्मिक सांस्कृतिक विरासत का परिचय देती है। *

इसे भी करें एंज्वॉय

चित्तौड़गढ़ की यात्रा में राजस्थानी खान-पान का स्वाद भी शामिल होना चाहिए। दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी और स्थानीय शैली में तैयार पारंपरिक व्यंजन भोजन को यात्रा का यादगार हिस्सा बना सकते हैं। स्थानीय बाजारों में हस्तशिल्प, पारंपरिक कपड़े और क्षेत्रीय कलाकृतियां देखी, खरीदी जा सकती हैं।

बेहतर और सफल जीवन जीने के लिए सबको बदलने के बजाय खुद को समझिए और जरूरी बदलाव कीजिए। इससे आप मनचाही सफलता तो पाएंगे ही, जीवन में सार्थकता भी आएगी।

दुनिया को नहीं खुद को बदलिए

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन



अधिकतर लोग अकसर इसलिए परेशान रहते हैं कि ये दुनिया वैसी क्यों नहीं है, जैसी वे चाहते हैं? सच कहा जाए तो उनकी परेशानी का मूल ही यही सोच है। सुकून, समृद्धि और सफलता के लिए असल में जरूरत होती है खुद को बदलने की।

व्यर्थ न करें मानसिक ऊर्जा: दूसरों को बदलने की कोशिश में अपनी ऊर्जा बर्बाद मत कीजिए। हमारे तनाव का बड़ा हिस्सा अकसर उन चीजों से आता है, जो हमारे नियंत्रण में हैं ही नहीं। कोई हमारे बारे में क्या सोचता है, किसने हमें फोन नहीं किया, किसी ने हमारी बात क्यों नहीं मानी या किसी ने हमारे साथ वैसा व्यवहार क्यों नहीं किया जैसा हम चाहते थे? इन सवालों में मानसिक ऊर्जा खपती है। 'लेट देम' थ्योरी इसी प्रवृत्ति से बाहर निकलने का एक सरल तरीका है। किसी के व्यवहार से परेशान हों तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय खुद से पूछें, 'क्या यह मेरे नियंत्रण में है?' यदि जवाब 'नहीं' है तो अपनी ऊर्जा बचाइए।

समझें समय का सही उपयोग: समय बचाने से पहले यह तय कीजिए कि समय किसके लिए चाहिए? आज समय प्रबंधन पर हजारों तकनीकें उपलब्ध हैं, लेकिन हमारी टू-डू लिस्ट फिर भी खत्म नहीं होती। याद रखिए, हमारे पास हर काम करने के लिए अनंत समय नहीं है, इसलिए हर अवसर स्वीकार करना और हर काम पूरा करना संभव नहीं। इसका सीधा अर्थ है, प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। जिस काम के लिए समय नहीं है, उसे 'नहीं' कहना भी समय प्रबंधन है।



लोगों की परवाह छोड़िए: 'लोग क्या कहेंगे' जैसे डायलॉग को जिंदगी का कंट्रोलर मत बनने दीजिए। समाज की राय जरूरी हो सकती है, लेकिन यदि हर निर्णय इसी डर से लिया जाए कि दूसरे क्या सोचेंगे तो धीरे-धीरे अपनी पसंद, पहचान और इच्छा दबने लगती है। आपका काम, आदतें, स्वभाव हर व्यक्ति को पसंद आना संभव भी नहीं, जरूरी भी नहीं। यदि हर टिप्पणी आपके फैसले बदलने लगे तो जीवन आपका होकर भी आपका नहीं रहेगा। दूसरों का सम्मान कीजिए, पर अपनी जिंदगी का नियंत्रण उनके हाथ में मत दीजिए।

दिमाग पर हावी न हो मोबाइल: आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जो उपकरण हमें दुनिया से जोड़ने के लिए बना था, वही हमारा ध्यान सबसे ज्यादा भंग कर रहा है। हर कुछ मिनट में फोन देखना, रील बदलना, नोटिफिकेशन जांचना और बिना उद्देश्य स्क्रॉल करना एक आदत सी बन गई है। समाधान तकनीक को त्यागना नहीं, बल्कि उसकी सीमा तय करना है। सुबह उठते ही फोन न देखना, भोजन के समय उसे दूर रखना और सोने से पहले कुछ समय स्क्रीन-मुक्त रखना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। डिजिटल अनुशासन आज की नई जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा है।

रिश्तों में बातचीत जरूरी: हमारी कई पारिवारिक और व्यक्तिगत समस्याएं वास्तविक घटना से ज्यादा उसके बारे में बनाए गए अनुमान से पैदा होती हैं। किसी ने देर से जवाब दिया तो हमने मान लिया कि वह नाराज है। किसी ने कम बात की तो मान लिया कि रिश्ता खराब हो गया। इसके बजाय सीधे संवाद करना बेहतर है। आरोप लगाने के बजाय सवाल पूछिए, प्रतिक्रिया देने से पहले सामने वाले की बात सुनिए। रिश्तों में हर बात पर सहमत होना जरूरी नहीं, लेकिन असहमति के बीच सम्मान बचा रहना जरूरी है। अच्छा रिश्ता वह नहीं, जिसमें कभी झगड़ा न हो, अच्छा रिश्ता वह है, जिसमें झगड़े के बाद बातचीत का दरवाजा बंद न हो।

मुझसे नहीं होगा सोचना ठीक नहीं: कई क्षमताएं अभ्यास और सीखने से विकसित हो सकती हैं। उम्र, पिछली असफलता या पुरानी पहचान को भविष्य की अंतिम सीमा मान लेना जरूरी नहीं। जिसने कभी मंच पर भाषण नहीं दिया, वह अभ्यास से वक्ता बन सकता है। जिसने कभी नहीं लिखा, वह लिखना सीख सकता है। जिसने तकनीक से दूरी बनाई है, वह धीरे-धीरे डिजिटल कौशल हासिल कर सकता है।

व्यस्त नहीं एकाग्र रहें: एक साथ कई काम करने की हमारी आदत वास्तव में कई बार सारे कामों की गुणवत्ता कम कर देती है। लगातार आने वाले संदेश, ई-मेल और नोटिफिकेशन दिमाग को एक काम से दूसरे काम की ओर खींचते रहते हैं। इसलिए रोज कुछ समय एक महत्वपूर्ण काम के लिए बिना व्यवधान के निर्धारित करना उपयोगी है। तीस मिनट के कंसंट्रेशन टास्क से शुरुआत कीजिए। मोबाइल दूर रखिए, अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद कीजिए। *

प्रिकॉशन
शैलेंद्र सिंह

इन दिनों यंगस्टर्स में ईयरफोन से म्यूजिक सुनने की हैबिट बहुत तेजी से बढ़ रही है। लेकिन असावधानी बरतने पर इससे सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। विश्व श्रवण दिवस (27 अक्टूबर) पर जानिए उपयोगी बातें।

हार्मफुल हो सकती है ईयरफोन की दीवानगी





बस-मेट्रो में सफर करता युवा, अपनी गाड़ी में बैठकर ऑफिस जा रहा प्रोफेशनल हो, सड़क पर पैदल चलता किशोर, जिम में पसीना बहाता यंगस्टर या रात को बिस्तर पर लेटा विद्यार्थी, इन सबके बीच इन दिनों जो हैबिट तेजी से पॉपुलर हुई है, वह है- कानों में ईयरफोन लगाए रहना। म्यूजिक, पॉडकॉस्ट, वीडियो और ऑनलाइन बातचीत की दुनिया अब इतनी निजी हो गई है कि आस-पास की आवाजें कई बार हमारे लिए गैर जरूरी हो जाती हैं। लेकिन इस निजी दुनिया का एक खतरा भी है। जिस पर हम अकसर तब तक ध्यान नहीं देते, जब तक सुनाई देने वाली आवाजें धीमी नहीं पड़ने लगतीं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी: डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया भर में 12 से 35 वर्ष के 1 अरब से ज्यादा युवाओं को मनोरंजन के दौरान तेज आवाज के असुरक्षित संपर्क के कारण सुनने की क्षमता प्रभावित होने का खतरा रहता है। इसमें व्यक्तिगत ऑडियो, उपकरणों पर तेज आवाज में संगीत सुनना और मनोरंजन स्थलों पर अधिक शोर शामिल है।

स्मार्टफोन और म्यूजिक: पहले संगीत सुनने के लिए हम रेडियो, टेप रिकॉर्डर या म्यूजिक सिस्टम का सहारा लेते थे। लेकिन अब कुछ सेकेंड में ही हम अपने मनपसंद गाने सुन सकते हैं। यह सुविधा उपलब्ध कराई है, हमारी जेब में मौजूद रहने वाले स्मार्टफोन ने। यात्रा के दौरान, पढ़ाई करते समय, व्यायाम के वक्त और कई बार सोने से पहले तक हमारे विशेषकर युवाओं के कानों में ईयरफोन लगे रहते हैं। जिन कोशिकाओं की मदद से ध्वनि के संकेत हमारे मस्तिष्क तक पहुंचते हैं, वे कोशिकाएं लगातार डिजिटल संगीत के संपर्क में रहने के कारण क्षतिग्रस्त होने लगती है। इससे सुनने की क्षमता प्रभावित होने लगती है।

खतरा केवल तीव्रता में नहीं: जोखिम तय करने में तीन बातें अहम है- आवाज कितनी तेज है, वह कितनी देर तक सुनी जा रही है और ऐसा कितनी बार होता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक श्रवण संबंधी सुरक्षित दिशा-निर्देशों के तहत औसतन 80 डेसिबल की ध्वनि के संपर्क में एक सप्ताह में 40 घंटे तक रहने से वयस्कों के लिए संदर्भित सुरक्षित सीमा मानी जाती है। यदि आवाज का स्तर 90 डेसिबल हो जाए, तो यह अवधि घटकर सप्ताह में केवल 4 घंटे रह जाती है। इसका मतलब है कि यांत्रिक आवाज थोड़ी भी बढ़ जाए तो कान की सुरक्षा प्रणाली असुरक्षित हो जाती है।

संगीत सुनिए लेकिन: संगीत जरूर सुनिए, लेकिन संगीत हमेशा सुनने की शक्ति बचाकर सुनिए। आवाज कम रखिए, चार-चार घंटे तक लगातार संगीत ही नहीं किसी भी वॉयस को सुनने से बचिए। हर आधे या एक घंटे बाद कानों को आराम दीजिए। आखिरकार संगीत जिंदगी को खूबसूरत बनाने का जरिया है, लेकिन इससे अपनी जिंदगी में सुनने की शक्ति को खत्म करके बदसूरत न बनाएं। *



'कभी खुशी कभी गम' का 'बोले चूड़ियां' गीत दृश्य



फिल्म 'बागबान' का इमोशनल सीन



'हम दिल दे चुके सनम' का 'चांद छुपा' गीत दृश्य

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों में दांपत्य प्रेम को अलग-अलग तरह से प्रस्तुत किया जाता रहा है। कई ऐसे गीत रचे गए हैं, जो आज भी करवा चौथ जैसे पर्व पर जरूर गाए-गुनगुनाए जाते हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों और दांपत्य प्रेम पर केंद्रित गीतों पर एक नजर।

फिल्मी गीतों में खूब दमकता रहा है दांपत्य प्रेम

पारिवारिक, धार्मिक ही नहीं हर तरह की हिंदी फिल्मों में पति-पत्नी के रिश्ते को बहुत महत्व दिया जाता रहा है। खासतौर पर दांपत्य जीवन खुशहाल बनाने के लिए पत्नी के द्वारा किए जाने वाले त्याग और समर्पण को भी फिल्मों में अलग-अलग नजरिए से फिल्माया जाता रहा है। पत्नी के द्वारा अपने सुहाग यानी पति के लिए व्रत की बात आती है तो बॉलीवुड में इस पर भी केंद्रित कुछ फिल्मी दृश्य और एक से बढ़कर सुंदर गीत रचे गए हैं।

यादगार हैं ये गीत: पति-पत्नी के प्रेम को समर्पित करवा चौथ के गीतों की बात करें तो 65 वर्ष पहले बनी फिल्म 'बहू-बेटी' का एक गीत सबसे पहले याद आता है। माला सिन्हा, अशोक कुमार, जॉय मुखर्जी और मुमताज स्टारर इस फिल्म में आशा भोंसले के गाए गीत 'आज है करवा चौथ सखी री, मांग ले सुख दान' को आज भी याद किया जाता है। इसमें करवा चौथ के पर्व को जिस तरह से उत्सव जैसा दिखाया गया, वह बाद की फिल्मों के लिए नजीर बना। इसके बाद भी कुछ फिल्मों में करवा चौथ से जुड़े गीत या कहानी पर आधारित दृश्यों ने पति के प्रति पत्नी के प्रेम, निष्ठा, समर्पण, त्याग और सम्मान को प्रभावी तरीके से पेश किया जाता रहा है।

वर्ष 1969 में रिलीज हुई फिल्म 'सुहागरात' का गीत 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे, मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे', भी दांपत्य प्रेम को बहुत खूबसूरती से प्रकट करता है। इसी तरह वर्ष 1973 में रिलीज हुई फिल्म 'सौदागर' में फूल बानो (पद्मा खन्ना) अपने पति मोती (अमिताभ बच्चन) के लिए जब 'सजना है मुझे सजना के लिए...' गाती हैं तो एक सजी-धजी पत्नी का चेहरा सामने आ जाता है, जो अपने पति को खुशी देने के लिए सजती-संवरती है। भले इसे करवा चौथ से सीधा जोड़ा नहीं जाए पर यह हर करवा चौथ पर उन गीतों में शामिल होता है, जो इस दिन जरूर गाए-गुनगुनाए जाते हैं।

कुछ इसी तरह का एक गाना फिल्म 'गीत गाता चल' का है, जो 51 वर्ष पहले आई थी। 'मैं वही, दर्पण वही, न जाने ये क्या हो गया कि सब कुछ लागे नया-नया..' में सारिका-सचिन की जोड़ी एकदम से भारतीयता में रची-बसी नजर आती है। पूरी तरह लगता है कि दांपत्य प्रेम को समर्पित है यह गीत।

ये फिल्में भी हैं यादगार: करवा चौथ को पूरी तरह से समर्पित फिल्म 'करवा चौथ' 1978 में रामलाल हंस ने बनाई थी, जो इस पर्व के लिए पहली फिल्म मानी जाती है। आशीष कुमार, कामिनी कौशल, आद्या, पद्म चव्हाण, रमेश देव और हेलन ने इसमें अभिनय किया था। उषा मंगेशकर के गाए गीत 'करवा चौथ का व्रत ऐसा', इस मूवी का मुख्य गीत था। इसमें हेलन ने अपनी सखियों के साथ पारंपरिक तौर तरीके से करवा चौथ को सेलिब्रेट किया।



'करवाचौथ का व्रत ऐसा' गीत मे हेलन

करवा चौथ पर दांपत्य प्रेम को प्रभावी तरीके से प्रेजेंट करने वाली दो और फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है। ये हैं- 'मांग भरो सजना' और 'सुहागरात'। सन 1980 में जब 'मांग भरो सजना' में पति का दो पत्नियों के बीच में संतुलन बनाने का प्रयास करना, उस दौर में महिलाओं के बीच सर्वाधिक चर्चा का विषय बन गया था। रेखा और मौसमी चटर्जी के किरदारों ने इसमें जीतेंद्र के लिए व्रत रखकर पूरे समर्पण के साथ इस गीत के फिल्मांकन को प्रस्तुत किया है। आशा भोसले तथा लता मंगेशकर की आवाज में गाया यह गीत, 'दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे...' आज भी करवा चौथ के अवसर पर विवाहित महिलाएं सुनना पसंद करती हैं।

पति के साथ को समर्पित भावुक गीत: फिल्म 'सुहागरात' का गीत, 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे, मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे...' पत्नी का पति के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा को दिखाता है। उसका मन सूरज-चांद से भी नहीं भर रहा है तो वह पति की जिंदगानी के लिए उससे आगे निकल जाती है। उसे लगता है कि सूरज चांद तो छिप सकते हैं पर मां गंगा कभी नहीं सूखेंगी और वह उससे अपने पति का जीवन जोड़ देती है। दांपत्य प्रेम की पराकाष्ठा व्यक्त करता है यह गीत।

ये गीत-दृश्य भी हैं दांपत्य को समर्पित: नए दौर की फिल्मों में भी कई गीत ऐसे रचे गए, जिन्होंने दर्शकों को करवा चौथ के प्रति संवेदनशील बनाया और इस पर्व की महत्ता को नया मोड़ दिया। इनमें 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का 'घर आ जा परदेसी', 'कभी खुशी कभी गम' का 'बोले चूड़ियां', 'हम दिल दे चुके सनम' का 'चांद छुपा बादल में', 'जख्म' का 'गली में आज चांद निकला' के अतिरिक्त भी कई ऐसे गीत हैं, जो भले ही करवा चौथ का आधार नहीं लेते हों पर इस दिन विवाहित महिलाएं गुनगुनाती नजर आती हैं। हां, 'राजा हिंदुस्तानी' का वह सीन भी इस दिन अवश्य याद आता है, जिसमें करिश्मा कपूर अपने पति के लिए निर्जला व्रत रखती है और एक भावनात्तक मोड़ इसका एंड करता है। ठीक वैसे ही जैसे करवा चौथ पर चांद देखने के बाद पति-पत्नी एक-दूसरे को देखते हुए ऐसे लगते हैं जैसे कह रहे हों सात जन्मों का रिश्ता है हमारा। यहां फिल्म 'बागबान' का जिक्र करना भी जरूरी है। इसमें अमिताभ का किरदार, अपनी पत्नी (हेमा मालिनी) के लिए व्रत रखता है। दोनों एक-दूसरे से दूर रहकर भी दांपत्य के अटूट प्रेम बंधन में जुड़े दिखते हैं। *

पर्व / आर. सी. शर्मा

शरद पूर्णिमा चांदनी रात में भक्ति की दिव्यता



भारतीय सनातन परंपरा में पर्व-त्योहार आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाले आध्यात्मिक सोपान भी होते हैं। इन्हीं पावन पर्वों में शरद पूर्णिमा का विशिष्ट स्थान है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति की अनुपम छटा, चंद्रमा की धवल चांदनी, श्रीकृष्ण की महारास लीला और मां लक्ष्मी की आराधना के कारण विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

महारास की दिव्य रात्रि: शरद पूर्णिमा का सर्वाधिक भावपूर्ण आध्यात्मिक संदर्भ भगवान श्रीकृष्ण की महारास लीला से जुड़ा है। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंद में वर्णित रासपंचाध्याई भगवान के माधुर्य स्वरूप और गोपियों की अनन्य भक्ति का अद्भुत आख्यान प्रस्तुत करती है। शरद ऋतु की निर्मल रात्रि, यमुना का तट, वृंदावन की कुंज गलियां और मुरली की मधुर तान यह समूचा परिवेश भक्ति साहित्य में दिव्यता के अनुपम बिंब के रूप में प्रतिष्ठित है। भागवत परंपरा में रासलीला को लौकिक प्रेम की सीमाओं से ऊपर उठकर ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण के भाव से देखा जाता है। महारास का आध्यात्मिक मर्म यही है कि जब अहंकार, स्वार्थ और सांसारिक आसक्ति का आवरण हटता है, तब हृदय में अनन्य भक्ति का प्रकाश प्रकट होता है। इस दृष्टि से शरद पूर्णिमा केवल चंद्रदर्शन की रात्रि नहीं बल्कि कृष्णमय चेतना में निमग्न होने का पावन अवसर है। मंदिरों में ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार, भजन-कीर्तन और रासलीला के आयोजन इसी भक्तिभाव को साकार करते हैं।

चांदनी में अमृतवर्षा: सनातन धर्म में चंद्रमा को मन का अधिष्ठाता माना गया है। वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में चंद्रदेव की उपासना, सोम की अवधारणा और शीतलता के प्रतीक के रूप में चंद्रमा का विशेष महत्त्व है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में आकाश में पूर्ण चंद्रमा अपनी उज्ज्वल आभा बिखेरता है। वर्षा ऋतु के पश्चात निर्मल आकाश और स्वच्छ वातावरण इस प्राकृतिक सौंदर्य को और भी मनोहारी बना देते हैं। लोकमान्यता है कि इस रात्रि चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसता है। इसी विश्वास के कारण अनेक घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे चंद्रकिरणों में रखने और अगले दिन उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करने की परंपरा प्रचलित है। इस परंपरा में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, पारिवारिक सहभागिता और पवित्र भावना का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

व्रत-पूजन: शरद पूर्णिमा पर श्रद्धालु अपनी पारिवारिक परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार व्रत रखते हैं। प्रातः स्नान के उपरांत देवपूजन, इष्टदेव का स्मरण और दान-पुण्य किया जाता है। संध्याकाल में चंद्रदर्शन के पश्चात चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा भी अनेक स्थानों पर प्रचलित है। मंदिरों में विशेष भोग, दीपदान, हरिनाम संकीर्तन और धार्मिक प्रवचन आयोजित किए जाते हैं। कहीं श्रीकृष्ण को श्वेत वस्त्रों और पुष्पों से सजाया जाता है, तो कहीं रात्रि में भजन-मंडलियां भक्तिरस का संचार करती हैं। इन समस्त अनुष्ठानों का मूल उद्देश्य अंतःकरण की शुद्धि और ईश्वर के प्रति श्रद्धा का संवर्धन है। *